दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

पढ़ने लगा गिलहरी का बच्चा.....

बैसाखी त्यौहार अनोखा

वर्ष : 12 | अंक : 108 | लखनऊ, 11 अप्रैल, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

यक्ष एप ने अपराध पर लगाया अंकुश

कुछ घंटों में दो लूट का किया खुलासा, अपहरण केस में चौंकाने वाला सच उजागर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। यूपी पुलिस का यक्ष एप अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेलने में अहम भूमिका निभा रहा है। यक्ष एप ने महज 90 दिनों में एक दर्जन से अधिक अपराधिक घटनाओं का खुलासा कर अपराध नियंत्रण पर स्मार्ट पुलिसिंग को नया आयाम दिया है। एप के जरिये अपहरण, हत्या, लूट, चोरी जैसे गंभीर अपराधों का खुलासा किया है। यक्ष ऐप की मदद से पुलिस न केवल तेजी से आरोपियों तक पहुंच रही है, बल्कि घटनाओं के खुलासे का समय भी काफी कम हुआ है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में स्मार्ट पुलिसिंग को नई दिशा देने के लिए पुलिस मंथन कार्यक्रम में यक्ष एप को लांच किया था। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप स्मार्ट पुलिसिंग के तहत यक्ष एप को लांच किया गया था। यक्ष एप में प्रदेश के अपराधियों का डिजिटल डाटाबेस, सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन आधारित मैपिंग और

एनालिटिकल टूल्स जैसी सुविधाएं दी गई हैं। पहले जहां विवेचकों को विलेज क्राइम नोट बुक जैसे पारंपरिक रजिस्टर पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब कुछ ही मिनटों में अपराधियों की पूरी हिस्ट्री सामने आ जाती है। डीजीपी ने बताया कि हरदोई में दर्ज अपहरण के एक मामले में यक्ष ऐप ने चौंकाने वाला सच सामने लाया। जांच में पता चला कि कथित अपहृत व्यक्ति पिछले ढाई साल से जेल में बंद था। इसी तरह जौनपुर में 11 मार्च 2026 को जन सेवा केंद्र संचालक के साथ हुई लूट की घटना का खुलासा कुछ ही घंटों में कर लिया गया। पुलिस ने यक्ष एप के माध्यम से 43 सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, जिससे संदिग्धों की पहचान और लोकेशन ट्रैक हुई। इसके बाद मुठभेड़ में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और करीब 1.30 लाख नकद बरामद किया गया। इसके अलावा राजधानी के काकोरी क्षेत्र में एक घंटे के अंतराल पर हुई दो लूट की घटनाओं का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया गया। यक्ष एप के जरिए आरोपियों की पहचान, मोबाइल लोकेशन और गतिविधियों का विश्लेषण कर पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। इतना ही नहीं रायबरेली में यक्ष एप की मदद से 8 सदस्यीय अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग का पदार्फाश हुआ। एप के डाटाबेस और जियो-टैगिंग के जरिए पुलिस को आरोपियों का आपराधिक इतिहास मिला, जिससे योजनाबद्ध कार्रवाई कर सभी को गिरफ्तार किया गया। बरेली में सास और साले की हत्या के आरोपी को पकड़ने में भी यक्ष ने अहम भूमिका निभाई। आरोपी का फोटो और रिकॉर्ड एप से मिलते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आगरा में एक बुजुर्ग व्यक्ति को झूठे छेड़छाड़ के आरोप से बचाने में भी एप उपयोगी साबित हुआ। सीसीटीवी फुटेज और फेस रिकग्निशन के जरिए असली आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। मेरठ, हाथरस, फरुखाबाद, कानपुर और गोंडा जैसे जिलों में यक्ष के जरिए कई चोरी और जेबकतरी गैंग का खुलासा हुआ। मेरठ में जेबकतरा गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार किये गये, हाथरस में आभूषण चोरी का आरोपी ट्रेस, कानपुर में ज्वैलरी दुकान से चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ और गोंडा में स्कूलों में हो रही चोरी का खुलासा एप ने किया।

गुमशुदा बच्चों को परिजनों से मिला रही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098

लखनऊ। सरकार में महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। खासतौर पर गुमशुदा बच्चों की तलाश और उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर योगी सरकार का अभियान लगातार असर दिखा रहा है। शुक्रवार को महिला कल्याण निदेशालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 26 हजार से ज्यादा शिकायतों का निस्तारण किया गया है। ये आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि सरकार इस दिशा में लगातार गंभीरता से प्रयत्नशील है। प्रदेश में महिला कल्याण निदेशालय के मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है।

होम्योपैथी सुरक्षित, प्रभावी व प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के रूप में उभरी: पाठक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विश्व होम्योपैथी दिवस पर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट एवं राणा होम्योक्लीनिक के संयुक्त तत्वावधान में मस्जिद लेन मैदान, लालकुआं में निःशुल्क होम्योपैथिक परामर्श, निदान एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया, इसमें 120 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर का शुभारंभ करने के बाद मुख्य अतिथि प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट एवं राणा होम्यो क्लीनिक को निःशुल्क होम्योपैथिक परामर्श, निदान एवं दवा वितरण शिविर के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। आज के इस तीव्र गति से बदलते परिवेश में, जहाँ एक ओर आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण और मानसिक तनाव हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं, वहीं होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के रूप में एक सशक्त विकल्प बनकर उभर रही है। आज जटिल से जटिल रोगों के उपचार में भी होम्योपैथिक चिकित्सा की उपयोगिता सिद्ध हो रही है। यहाँ तक कि छोटे बच्चों के दाँत निकलने जैसी संवेदनशील अवस्थाओं में भी यह पद्धति पूर्णतः सुरक्षित एवं लाभकारी सिद्ध होती है। इस मौके पर ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी डॉ. हर्ष वर्धन अग्रवाल, आंतरिक सलाहकार समिति के सम्मानित सदस्य पंकज अवस्थी, लाल कुआं वार्ड के पार्षद सुशील कुमार तिवारी, तिलक नगर कुंडरी रकाबगंज वार्ड के पार्षद राजीव बाजपेई तथा शिविर में चिकित्सक डॉ. संजय कुमार राणा, सविता चौधरी, कविता (नर्स) तथा ट्रस्ट के स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

कबीर की पार्टी से ओवैसी ने तोड़ लिया गठबंधन

हैदराबाद। बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुमायूं कबीर

को बड़ा झटका लगा है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने हुमायूं की पार्टी से गठबंधन तोड़ लिया है। टीएमसी ने वीडियो में कथित तौर पर हुमायूं कबीर 1000 करोड़ की डील की बात कर रहे हैं। हुमायूं कबीर की पार्टी का नाम 'आम जनता उन्नयन पार्टी' है।

होम्योपैथी..'दीर्घकालिक स्वास्थ्य' पर जोर

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में

"दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी" विषय पर राष्ट्रीय समारोह के साथ विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 मनाया। यह आयोजन डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के अवसर पर किया गया, जिसमें देशभर से नीति निर्माता, शोधकर्ता, चिकित्सक और छात्र शामिल हुए।

पति की हत्या कर खुद दी जान, मासूम की भी मौत

अयोध्या। जिले के थाना रौनाही क्षेत्र के करेरू गांव में पति-पत्नी के

विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया जिसके परिणामस्वरूप तीन जानें चली गईं। पत्नी ने पहले पति की हथौड़े से हत्या की, फिर खुद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। कमरे में बंद 22 दिन के दुधमुंहे बच्चे की भी भूख-प्यास से मौत हो गई। शव और शिशु को बंद कर दिया था।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। पटना से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है।

शुक्रवार को बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। यह धमकी एक अज्ञात ईमेलके जरिए विधानसभा के आधिकारिक मेल आईडी पर भेजी गई थी। सूचना जल्द ही अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों को दी गई।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर गहमा- गहमी नहीं हो सकी खत्म

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक टली, सरकार के गठन पर चर्चा की, नाम पर नहीं लगी मुहर

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

बिहार भाजपा कोर ग्रुप की प्रस्तावित बैठक, जो शुक्रवार शाम 6 बजे होनी थी, अब आयोजित नहीं हो सकी। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ वापस पटना चले हैं, जबकि दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी पटना लौट गए। वहीं, भाजपा के बिहार प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने दोनों डिप्टी सीएम से अलग-अलग मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इन बैठकों में बिहार में भाजपा की अगली सरकार के गठन को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में एनडीए के शीर्ष नेता बिहार के अगले मुख्यमंत्री के नाम और मंत्रिस्तरीय विभागों के वितरण को अंतिम रूप देने वाले थे। इन फैसलों को संभवतः प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और नीतीश कुमार की उपस्थिति में लिया जाएगा, जो बैठक के महत्व को रेखांकित करता है जहां बिहार में नेतृत्व और सत्ता-साझाकरण व्यवस्थाओं पर चर्चा होगी।

प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से मिले, बिहार के नेतागण दिल्ली से पटना लौटे

नई दिल्ली में बैठक के पहले शाह, सम्राट और तावड़े

नीतीश जल्द देंगे इस्तीफा

बिहार में चल रहे राजनीतिक परिवर्तन के बीच ये उच्च स्तरीय विचार-विमर्श हो रहे हैं, जहां नीतीश कुमार ने राज्यसभा में प्रवेश करने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का संकेत दे दिया है। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि एनडीए राज्य में सुचारू नेतृत्व और नई सरकार के गठन को सुनिश्चित करने के लिए तेजी से कदम उठा रहा है।

पर्यवेक्षक भेजने की भी चर्चा

भाजपा की इस बैठक में नए सीएम के नाम सहमति बनाने की कोशिश होनी थी, जिसके बाद संसदीय बोर्ड बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगाई जाती। भाजपा के सीएम के नाम की घोषणा दिल्ली में नहीं हुई तो फिर पटना में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के बाद पर्यवेक्षक ऐलान करेंगे।

पीएम मोदी ने नीतीश को दी बधाई

फिर संसद में देखना बहुत सुखद होगा साथ ही, हरिवंश की भी सराहना की

प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम नीतीश कुमार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि नीतीश ने

बिहार के विकास में अमिट योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि संसद में एक बार फिर नीतीश को देखना अत्यंत सुखद अनुभव होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि नीतीश के लंबे राजनीतिक अनुभव से संसद की गरिमा और बढ़ेगी। एक्स पर लिखा, नीतीश जी देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। सुशासन को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की हर तरफ सराहना हुई है। उन्हें ढेरों शुभकामनाएं। वहीं, हरिवंश नारायण सिंह को भी राज्यसभा का सदस्य बनने पर बधाई दी। पीएम ने एक्स पर लिखा, हरिवंशने पत्रकारिता, सार्वजनिक जीवन में अमूल्य योगदान दिया है। वे एक सम्मानित बुद्धिजीवी और विचारक हैं। सदन की कार्यवाही को समृद्ध किया है।

नीतीश ने ली राज्यसभा सांसद पद की शपथ

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा सांसद पद की शपथ ले ली है। राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के अलावा बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी भी इस दौरान संसद भवन में मौजूद रहे।

नीतीश बोले- पहले तो हम यहीं न थे

जब नीतीश निकले, तो चिर-परिचित अंदाज में मुस्कुराते हुए सिर्फ एक वाक्य कहा कि पहले तो हम यहीं न थे। कोई नई बात नही है।

पूर्व उपसभापति तीसरी बार जाएंगे राज्यसभा

हरिवंश को राष्ट्रपति ने किया नामित

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को फिर से राज्यसभा के लिए नामित किया गया है। हरिवंश अभी तक जेडीयू कोटे से राज्यसभा सांसद थे। जेडीयू ने लगातार उन्हें 2 बार राज्यसभा भेजा था। इसलिए इस बार उन्हें राष्ट्रपति ने मनोनीत किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरिवंश को राज्यसभा के लिए नामित किया है। वे इससे पहले दो बार राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं।

मतदाता सूची फ्रीज करने का मामला

9 को सूची जारी की, सीजेआई की पीठ 13 को करेगी सुनवाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को फ्रीज करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। आयोग के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने इस मामले पर नई याचिका के साथ लंबित याचिकाओं पर भी विचार करने पर सहमति जताई। आयोग ने पहले चरण के सीटों के लिए 9 अप्रैल को मतदाता सूची को अंतिम रूप देते हुए फ्रीज कर दिया था। मतदाता सूची फ्रीज करने का मतलब है कि इस विधानसभा चुनावों के लिए सूची में किसी भी नए व्यक्ति को जोड़ा नहीं जा सकेगा, जिसका नाम हटा दिया गया है। यहां एक चरण में 29 अप्रैल को चुनाव होना है।

जाति जनगणना रोकने की मांग वाली अर्जी

ऐसी अभद्र भाषा कहां से लाते हैं? फटकार लगाई

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत ने एक याचिककर्ता को कड़े शब्दों में फटकार लगा दी। कोर्ट में केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या उत्तरदायित्व से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाली नीतियां बनाने का निर्देश देने वाली याचिका लगाई गई थी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा कहां से सीखते हैं? ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आप लोग? आप लोग याचिका कैसे लिखते हैं?

पत्नी का भरण-पोषण करना पति की जिम्मेदारी

रोजाना 325 रुपए कमाई, पति को दिया 10 हजार गुजारा भत्ता देने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते उस शख्स को अपनी पत्नी को प्रति माह 10 हजार रुपए गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया, जिसने क्लेम किया था कि उसकी रोजाना की कमाई महज 325 रुपएही है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले में हाईकोर्ट के पहले दिए गए ऑर्डर में दखल देने से इनकार किया और पत्नी की तरफ से भत्ता बढ़ाने की अर्जी का निपटारा कर दिया।

खेड़ा को 7 दिन की मिली राहत

हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत संबंधित कोर्ट में जाने को कहा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तेलंगाना हाईकोर्ट ने कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा को असम में दर्ज एक मामले में

एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। यह राहत शुक्रवार को कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दी। कोर्ट की जज न्यायमूर्ति सुजाना कलासिकम ने कहा कि पवन खेड़ा को एक हफ्ते का समय दिया जाता है ताकि वह संबंधित कोर्ट में जाकर नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें। इस दौरान उन्हें कुछ शर्तों के साथ गिरफ्तारी से राहत मिलेगी।

असम पुलिस ने दर्ज किया मामला

यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज किया गया है। खेड़ा पर आरोप है उन्होंने सीएम हिमंत सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिसकी सही जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई।

उपराष्ट्रपति ने किया संविधान का सिंधी संस्करण लॉन्च

भाषाई विविधता पर दिया जोर, एकता का सूत्र बताया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में देवनागरी और फारसी दोनों लिपियों में सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर किया गया। उपराष्ट्रपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिंधी दुनिया की प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसकी साहित्यिक परंपरा वेदांतिक दर्शन और सूफी विचारों के अनूठे संगम को दर्शाती है, जो प्रेम, एकता और भाईचारे के मूल्यों को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद शंकर लालवानी और विधायी विभाग के सचिव डॉ. राजीवमणि भी थे।

सिंधी भाषा दिवस पर समुदाय को शुभकामनाएं दी

भाषाई समावेशिता की दिशा में बड़ा कदम

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार विशेष रूप से देवनागरी लिपि में सिंधी भाषा में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को मजबूत करने की दिशा में अहम है। उन्होंने संविधान को राष्ट्र की जीवंत आत्मा बताया। उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय और क्षेत्रीय भाषा अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया।

केंद्र सरकार के प्रयासों को सराहा

उन्होंने केंद्र द्वारा संविधान को विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। इससे नागरिकों और शासन के बीच की दूरी कम होती है। मातृभाषा में संविधान उपलब्ध होने से नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।

सिंधी भाषा का ऐतिहासिक महत्व

सिंधी समुदाय की ऐतिहासिक यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभाजन के कठिन दौर में यह भाषा एकता और दृढ़ता का प्रतीक बनी रही। उन्होंने बताया कि 1967 में 21वें संवैधानिक संशोधन के जरिए सिंधी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है और भाषाएं संस्कृति, परंपरा और पहचान की महत्वपूर्ण वाहक हैं।

सिकाई मशीन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, जलकर महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के एल्डिको उद्यान-2 में शुक्रवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। यहां शॉर्ट सर्किट से लगी आग में 70 वर्षीय महिला की जलकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, सरोज सिंह घुटने के ऑपरेशन के बाद घर पर ही सिकाई मशीन का इस्तेमाल कर रही थीं। इसी दौरान अचानक मशीन में शॉर्ट सर्किट हो गया। आशंका है कि चिंगारी निकलने से बिस्तर में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। परिजनों को जब तक घटना की जानकारी हुई, तब तक महिला गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से हादसा होने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डीसीएम की टक्कर से मारुति वैन क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से एक मारुति वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय वाहन में कोई सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बताते हैं कि बंथरा गांव निवासी नंद लाल शुक्रवार को अपनी मारुति वैन (यूपी 32 एचएन 3645) से सरोजनीनगर गए थे। शाम करीब 5 बजे लौटकर उन्होंने बंथरा स्थित राजपूत नर्सिंग होम के पास कानपुर रोड किनारे गाड़ी खड़ी कर दी और दवा लेने चले गए। इसके बाद वह निजी काम से पास के हनुमान मंदिर चले गए। इसी दौरान सरोजनी नगर की तरफ से पीछे से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित डीसीएम ने खड़ी वैन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वैन नाले पर चढ़ते हुए कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने जाकर रुकी। वहीं घटना के बाद डीसीएम चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। बाद में जानकारी होने पर नंदलाल ने घटना की तहरीर बंथरा थाने में दी। पुलिस डीसीएम नंबर के आधार पर उसके चालक का पता लगा रही है।

स्वदेशी तकनीक से संचार क्रांति की ओर अग्रसर भारत : केशव प्रसाद मौर्य उप मुख्यमंत्री

विकसित भारत के निर्माण में बीएसएन एल की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि देश के हर नागरिक तक संचार सुविधाएं सुलभ हों। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी तकनीक आधारित 4G सेवाओं का शुभारंभ 27 सितम्बर 2023 को उड़ीसा से किया गया, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आज भारत स्वदेशी तकनीक आधारित संचार क्रांति की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बीएसएनएल के प्रति लोगों का विश्वास एवं रूझान लगातार बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य शुक्रवार को लखनऊ स्थित भूतनाथ टेलीफोन एक्सचेंज के सभागार में आयोजित बीएसएनएल अधिकारी संघ की सेंट्रल एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में ह्लबीएसएनएलह्ल स्वदेशी तकनीकः अवसर और चुनौतियाँह्ल विषयक कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।इससे पहले उन्होने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के साथ उनकी पुरानी यादें जुड़ी हैं और सांसद रहते हुए वे दूरसंचार की एक समिति से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने बीएसएनएल की निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के गठन के बाद देश को आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए गए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएनएल के पास मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है और वह किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं है। आवश्यकता है कि समर्पण और बेहतर रणनीति के साथ कार्य कर इसे देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी बनाया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बीएसएनएल देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में लंबी छलांग लगा रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में बीएसएनएल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। देश में आज भी बड़ी संख्या में उपभोक्ता बीएसएनएल की सेवाओं पर विश्वास करते हैं। श्री मौर्य ने कहा कि हमें हर कार्य राष्ट्रहित में करना चाहिए और दूरसंचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने होंगे। स्वदेशी तकनीक को अपनाकर भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड देश की प्रमुख सरकारी दूरसंचार कंपनी है, जो स्वदेशी तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। इससे न केवल विदेशी निर्भरता कम होगी, बल्कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय उद्योगों एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा तथा डेटा और साइबर सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी।हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी तकनीक को वैश्विक मानकों पर खरा उतारना, अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है। इन चुनौतियों का समाधान प्रभावी रणनीति और सतत प्रयासों से संभव है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बृजलाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन द्वारा उप मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा गया।कार्यक्रम में भारत संचार निगम के वरिष्ठ अधिकारी व संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

खेत में बकरी जाने से बुजुर्ग को डंडे से पीटा ,रिपोर्ट दर्ज

बुजुर्ग की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र से एक बुजुर्ग की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। वीडियो में एक व्यक्ति 70 वर्षीय बुजुर्ग बाबूलाल कनौजिया को उन्हीं के डंडे से बेरहमी से पीटता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि घटना गढ़ी मोहल्ले की है, जहां बाबूलाल कपड़े धोने का काम करते हैं। पीड़ित बाबूलाल के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब 11:30 बजे वह अपनी बकरी चरा रहे थे, तभी उनकी एक बकरी उनके मोहल्ले में ही रहने वाले आरोपी सियाराम के खेत में चली गई। इसी बात पर सियाराम ने उन्हें अपने पास बुलाया और उनका डंडा छीनकर पिटाई शुरू कर दी। बाबूलाल का कहना है कि खेत में गेहूं की कटाई हो चुकी थी और वहां कोई फसल भी नहीं थी, बावजूद इसके उन्हें बुरी तरह मारा गया। पिटाई के दौरान डंडा भी टूट गया। घटना के दौरान वहां मौजूद कुछ राहगीरों ने बीच-बचाव कर बुजुर्ग को बचाया। इसके बाद बाबूलाल ने घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी और फिर बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपी की तलाश जारी है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर तेज रफ़्तार ऑटो सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में ऑटो पर सवार दो मासूम बच्चियां और उनके मां-बाप व ऑटो चालक चोटिल हो गया। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सभी को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद हफीज नामक ऑटो चालक शुक्रवार को अपना ऑटोलेकर सरोजनी नगर के नादरगंज से उन्नाव के सोहरामऊ जा रहा था।ऑटो में सोहरा मऊ निवासी जतिन (35), उनकी पत्नी गरिमा (30), उनकी बेटी अंशिका (7) और उर्वशी (5)सवार थे। तभी दोपहर करीब 1 बजे उसका तेज रफ़्तार ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर बंथरा थाने से पहले पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसा। इस हादसे में ऑटो का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ उसका शीशा टूट गया और उस पर बैठे लोग उसमें दबकर चोटिल हो गए। राहगीरों ने आनन-फानन किसी तरह सभी को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने सभी को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई।

स्कॉर्पियो की टक्कर से मासूम की मौत, चालक हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र में शुक्रवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। घर के बाहर खेल रही तीन वर्षीय मासूम बच्ची को स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुराना नटखेड़ा, तेलीबाग निवासी संध्या (3) अपने ननिहाल आई हुई थी। बताया जा रहा है कि वह घर के बाहर खेल रही थी, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल बच्ची को तत्काल लोकबंधु अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है

सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के आदर्श राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत - उप मुख्यमंत्री

अखंड भारत की अवधारणा को साकार करने वाले महान राष्ट्रनिर्माता थे चन्द्रगुप्त मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग पर मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य जी की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने अद्वितीय पराक्रम, अटूट संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर विभाजित भारत को एक राजनीतिक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। उनका प्रेरणादायी जीवन आज भी हमें राष्ट्र निर्माण के पथ पर समर्पण और निष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि अपने उत्कृष्ट रणनीतिक कौशल और अपराजेय साहस के बल पर चन्द्रगुप्त मौर्य ने सोलह महाजनपदों में विभाजित भारत को एकजुट किया, विदेशी षड्यंत्रों का प्रभावी प्रतिकार किया तथा एक शक्तिशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की, यह उनके असाधारण नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य केवल एक महान शासक ही नहीं थे, बल्कि ह्यअखंड भारतह्ल की अवधारणा को साकार रूप देने वाले युगपुरुष एवं राष्ट्रनिर्माता थे। उनका जीवन भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो आज भी हमें एकता, शक्ति और आत्मगौरव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उप मुख्यमंत्री ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

सरोजनीनगर में नेट जीरो इंडस्ट्री पहल का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। शुक्रवार को नेट जीरो जीरो सरोजनीनगर 2047 विजन के तहत ह्लद ग्रीन शिफ्टह्ल अभियान में नेट जीरो इंडस्ट्री पहल का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय और पूर्वानुमान आधारित दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि रोकथाम, उपचार से बेहतर है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह पहल नेट जीरो रोडमैप का चौथा स्तंभ है, जिसमें स्कूल-कॉलेज, सोसायटी, टाउनशिप, उद्योग और गांव शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्योगों की अहम भूमिका रेखांकित की गई, जहां प्रदूषण और हीट स्ट्रेस से उत्पादकता में कमी और करोड़ों के नुकसान का उल्लेख हुआ। इस पहल के तहत रूफटॉप सोलर, ऊर्जा दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन से उद्योगों को लागत में कमी और अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे। साथ ही, सरकारी योजनाओं, सस्ती वित्तीय सहायता और विशेषज्ञ मार्गदर्शन से उद्योगों को सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम में कई औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी रही। 5 जून को ग्रीन शिफ्ट इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस अवॉर्ड भी दिया जाएगा। यह पहल सरोजनीनगर को सतत विकास के मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

डिप्रेशन में आकर विवाहिता ने लगाई फांसी

अमन लेखनी समाचार

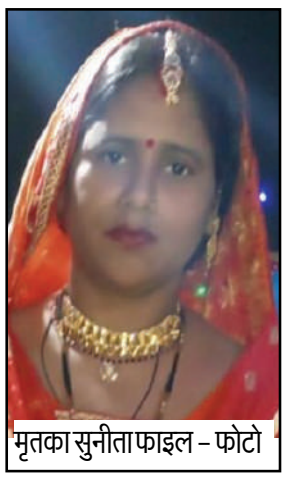
मृतका सुनीता फाइल – फोटो

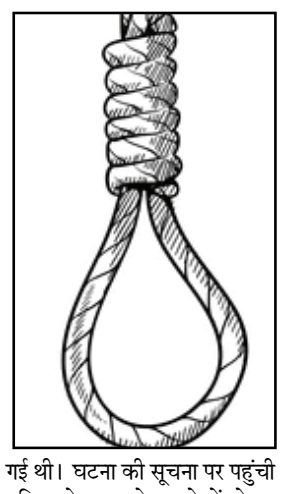

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र की नई बस्ती में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां समाज और परिवार के तानों से आहत एक विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद इलाके में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। मृतका की पहचान सुनीता शर्मा (30) के रूप में हुई है। वह अपने पति ह्रदेश शर्मा के साथ संयुक्त परिवार में रहती थी। ह्रदेश लखनऊ में कारपेंटर का काम करता है और घटना के समय वह काम पर गया हुआ था। परिजनों के अनुसार, सुनीता की शादी वर्ष 2017 में अतरौली थाना क्षेत्र के ढ़ेहुवा गांव से हुई थी। शादी के करीब नौ वर्ष बीत जाने के बाद भी उसे संतान सुख नहीं मिला, जिसे लेकर वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थी। शुक्रवार दोपहर को सास, ससुर दूसरे घर में हो रहे निर्माण कार्य से लौटकर खाना खाने पहुंचे, तो सुनीता का कमरा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांककर देखा गया तो वह छत के कुंडे से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई थी। यह देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि संतान न होने को लेकर ससुराल पक्ष और रिश्तेदार अक्सर उसे ताने देते थे, जिससे वह डिप्रेशन में चली गई थी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत कारण स्पष्ट हो सकेगा।

शिक्षक दंपति निकले सर्राफ लूटकांड के मास्टरमाइंड, तीन गिरफ्तार

लोन चुकाने के दबाव में रची थी साजिश, पुलिस ने बरामद किए रुपये, जेवर और एसयूवी

अमन लेखनी समाचार

पुलिस की गिरफ्त में तीन आरोपी

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के जेहटा मार्ग स्थित काकराबाद में सर्राफ सुभाष चंद्र मौर्य और उनकी पत्नी से पांच लाख रुपये की लूट के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस वारदात को अंजाम देने वाले कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि एक शिक्षिका, उसका पति और देवर निकले। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त उत्तरी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में गोलागंज निवासी शिक्षिका दानिशा फातिमा, उसका पति मो. अफसर और देवर मो. अजमल शामिल हैं। ये मूल रूप से संतकबीरनगर जनपद के मेहंदावल क्षेत्र के कसौना खुर्द गांव के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 29 हजार रुपये नकद, सोने के दो कंगन, 1.90 लाख रुपये बैंक में जमा करने की पर्चियां, आठ मोबाइल फोन, 16 सिमकार्ड, कुछ नकली जेवर और वारदात में प्रयुक्त एसयूवी बरामद की है।

फोन कर बुलाया, फिर झपट्टा मार लूटे रुपये

काकोरी के कुशमौरा निवासी सुभाष चंद्र मौर्य ने बताया कि उनकी ह्लसमर ज्वैलर्सह्ल के नाम से दुकान है। पांच अप्रैल को वह पत्नी मिथलेश के साथ स्कूटी से पांच लाख रुपये लेकर चौक सर्राफा बाजार जेवर खरीदने जा रहे थे। रास्ते में महिला शिक्षिका का फोन आया, जिसने सस्ते दाम में जेवर दिलाने का झांसा दिया। इस पर दंपति जेहटा रोड पहुंच गए, जहां एसयूवी सवार दानिशा फातिमा, मो. अफसर और अजमल मिले। आरोपियों ने पहले सोने का एक टुकड़ा और अन्य जेवर दिखाए, लेकिन शक होने पर सुभाष ने खरीदारी से इनकार कर दिया। जैसे ही वे आगे बढ़े, आरोपियों ने झपट्टा मारकर रुपये से भरा बैग लूट लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

सर्विलांस और सीसीटीवी से खुला राज

घटना के खुलासे के लिए एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे के निर्देशन में क्राइम टीम और थाना पुलिस को लगाया गया। सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

शिक्षिका दो माह से गायब, पति निलंबित

जांच में सामने आया कि दानिशा फातिमा कालीचरण इंटर कॉलेज में उर्दू की शिक्षिका है, जो पिछले दो माह से विद्यालय नहीं जा रही थी। वहीं, उसका पति मो. अफसर बदायूं के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक था, जिसे छह माह पहले निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद से दोनों ठगी और टप्पेबाजी की घटनाओं में सक्रिय हो गए थे। अफसर के खिलाफ विभिन्न जिलों में कई मुकदमे दर्ज हैं।

लोन के दबाव में चुना अपराध का रास्ता

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने करीब 50 लाख रुपये का लोन लिया था। फाइनेंस कंपनी की ओर से लगातार वसूली का दबाव बनाया जा रहा था, जिसके चलते उन्होंने लूट और टप्पेबाजी का सहारा लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

टीकाकरण के चार दिन बाद मासूम की मौत, परिजनों का हंगामा

जांच के लिए तहरीर, स्वास्थ्य विभाग ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार बताया

अमन लेखनी समाचार

मासूम की मौत पर रोते बिलखते परिजन

लखनऊ। टीकाकरण के चार दिन बाद दो माह के मासूम की मौत से हड़कंप मच गया। नाराज परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और मामले की जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, छह अप्रैल को गांव में आशा कार्यकर्ता शांति लोगों को टीकाकरण के लिए बुलाकर लाई थीं। गांव में ही एएनएम द्वारा कई बच्चों को नियमित टीके लगाए गए। परिजनों का आरोप है कि टीकाकरण के बाद से दो माह के मोहम्मद उमर समेत कई बच्चों को तेज बुखार आ गया था। मृतक बच्चे के पिता साहिल अहमद का कहना है कि टीका लगने के बाद से ही उमर को लगातार बुखार था। एएनएम द्वारा दी गई दवा भी असर नहीं कर सकी। शुक्रवार सुबह अचानक बच्चे की तबीयत बिगड़ गई, नाक से खून आने लगा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ तहरीर देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, गांव के अन्य बच्चों–इमरान (9 माह), अलीजा (18 माह), आकर्ष (18 माह) तथा पवन कुमार के एक माह के बेटे–की तबीयत भी बिगड़ने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, माल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सीएचसी माल के डॉ. उमेश शंकर और वैक्सीन इंचार्ज राज सिंह ने बताया कि बच्चों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित चार टीके लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बाद हल्का बुखार आना सामान्य प्रक्रिया है और टीके या उनके लगाने में किसी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने बताया कि कुल आठ बच्चों का टीकाकरण हुआ था। मासूम की मौत के कारणों का स्पष्ट पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया गया है। अन्य बच्चों को सामान्य बुखार आया था, जिनका इलाज कर दिया गया है और वे अब स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पश्चिमी यूपी को जल्द मिलेगी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की सौगात

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार गाजियाबाद अब एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। करीब 2200 करोड़ रुपये की लागत से इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और एरोसिटी प्रोजेक्ट न केवल इस शहर की पहचान बदलने जा रहा है, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिलने जा रही है। इसके साथ ही यह क्षेत्र इतने बड़े स्तर के इंटीग्रेटेड अर्बन डेवलपमेंट मॉडल का हिस्सा बनेगा, जिससे गाजियाबाद प्रदेश का बड़ा पर्यटन केंद्र बनकर उभरेगा। इसके साथ ही यहां लाखों की संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे, जो उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से टर्निंग प्वाइंट साबित होंगे।

मत्स्य मंत्री ने रिहंद बांध एवं ओबरा बांध का किया औचक निरीक्षण

लखनऊ। मत्स्य विभाग के मंत्री डा. संजय कुमार निषाद द्वारा विगत कई दिनों से जनपद सोनभद्र से प्राप्त हो रही विभागीय एवं अन्य लोगों की साँठ-गाँठ से संबंधित अनियमितताओं की खबर का संज्ञान लेते हुए जनपद सोनभद्र में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्थापित रिहंद बांध एवं ओबरा बांध का औचक निरीक्षण किया गया।

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र–2

विषय – निविदा प्रपत्र संख्याः 2026 – ए.एम.वी. – सी एंड डब्लू ईनिविदा – 13 का शुद्धि पत्र।

सन्दर्भ – निविदा सूचना संख्याः 2026 – ए.एम.वी. – सी एंड डब्लू ईनिविदा – 13 दिनांक : 20.03.2026

कार्य का नाम – डिजाइन डेवलपमेंट सप्लाई इंस्टालेशन कमीशनिंग एंड टेस्टिंग ऑफ टॉर्क एप्लीकेशन एंड डाटा एक्वीजीशन सिस्टम फॉर कैप्चरिंग टोरकिंग डाटा ऑफ वेरियस सिस्टम्स ऑफ एल०एच०बी० कोचेस दूरिंग शॉप शेड्यूल (एस– I एस– II एस– III)।

उपरोक्त निविदा के सन्दर्भ में निविदा प्रपत्र में निम्नलिखित परिवर्तन किया गया है।

S.N.	Description	Existing Date	Modified Date
1	Tender Closing Date & Time	13.04.2026 15:00	28.04.2026 15:00

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी ।

शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर upload कर दिया गया है।

संख्याः 2026–ए.एम.वी.– सी एंड डब्लू ईनिविदा–13
दिनांक : 10.04.2026 1215/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

उन्नाव। सण्डीला मार्ग पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आसीवन थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब 2:50 बजे हुई। घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।घायलों की पहचान औरास थाना क्षेत्र के भक्ता खेड़ा निवासी छेदीलाल (50) पुत्र देवी और मैकु आ खेड़ा निवासी मंगलू (38) पुत्र सूर्यबली के रूप में हुई है। वे दोनों मकबूल खेड़ा गांव में एक मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।मकबूल खेड़ा गांव के पास उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से चोटिल हो गए। हादसे के बाद कार चालक ने स्वयं घायलों को अपनी गाड़ी से मियागंज सीएचसी पहुंचाया।मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में डॉ. डी. नाथ की टीम द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। दोनों घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अनिकेत ने प्रथम प्रयास में पी सी यस की परीक्षा पास कर गांव सहित जिले का नाम किया रोशन

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के गिलशाहमऊ निवासी अनगन प्रसाद चौधरी के लड़के अनिकेत चौधरी पीसीएस की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही पास की । ग्रामीण सुनील रावत ,ज्ञान शर्मा , आलोक , राजाराम आदि ने बताया कि अनगन प्रसाद लखनऊ में रह कर प्राइवेट नोकरी करते है ।गांव में रह रहे अनिकेत के परिजनों से बात हुई तो उन्होंने बताया अनिकेत शुरू से ही पढ़ने में तेज था ,अनिकेत ने हाईस्कूल व इंटर लखनऊ के लखनऊ पब्लिक स्कूल से पास किया है ।पी सी यस की परीक्षा पास करने के बाद सब रजिस्ट्रार के पद पर लखीमपुर में तैनाती हुई है । पी सी यस की परीक्षा पास करने पर गांब में खुसी का माहौल है ।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर हालत गंभीर

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार अधेड़ को टक्कर मार दी।इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बाद में जिला अस्पताल उन्नाव रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के गांव महेंद्र निवासी शिवकुमार (50) पुत्र स्व. ललतू शुक्रवार शाम करीब साढ़े तीन बजे मुंशीगंज स्थित अपने दूसरे घर से बाइक पर वापस लौट रहे थे। यह घटना उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर मानशिला मंदिर के समीप हुई।हादसे की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस चालक रामसिंह और ईएमटी गोविंद कुमार ने घायल शिवकुमार को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। वहां डॉक्टर डी. नाथ ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया।

गंगा कटान को रोकने के लिए सिंचाई विभाग ने शुरू किया अपना अभियान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा नदी के बढ़ते कटान को रोकने के लिए सिंचाई विभाग ने गंगाघाट क्षेत्र में युद्धस्तर पर अभियान शुरू कर दिया है। शुक्लागंज के पुराने गंगापुल के नीचे हो रहे तेज कटान को नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर तकनीकी कार्य कराए जा रहे हैं।विभाग ने लगभग 350 मीटर क्षेत्र में कटान निरोधक कार्य की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य आसपास के रिहायशी इलाकों, घाटों और मार्गों को सुरक्षित करना है।अधिकारियों के अनुसार, कानपुर छोर पर चल रहे पुल निर्माण कार्य के कारण गंगा की धारा शुक्लागंज की ओर मुड़ गई है। इससे इस हिस्से में पानी का वेग काफी तेज हो गया है, जो कटान का मुख्य कारण बन रहा है। तेज धारा के चलते कार्य में लगातार बाधाएं आ रही हैं, फिर भी विभाग ने काम को तेजी से आगे बढ़ाया है।कटान रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। सबसे पहले नदी के भीतर एक मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है।इसके लिए बड़े पैमाने पर जियो बैग लगाए जा रहे हैं।प्रतिदिन लगभग 70 से 80 हजार जियो बैग लगाए जा रहे हैं और अब तक करीब डेढ़ लाख बैग डाले जा चुके हैं। इन बैगों को इस तरह व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि वे नदी के बहाव के दबाव को सहन कर सकें और मिट्टी के कटाव को रोक सकें।कार्य को समय पर पूरा करने के लिए गंगा नदी में चार ड्रेजिंग मशीनें भी लगाई गई हैं। इन मशीनों की मदद से नदी की तलहटी को समतल किया जा रहा है और आवश्यक गहराई तक खुदाई कर आधार को मजबूत बनाया जा रहा है।विभाग ने बताया कि मशीनों और श्रमिकों के समन्वय से कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाएगा।तकनीकी योजना के तहत, पहले लगभग 7.30 मीटर गहराई तक पानी के अंदर कार्य किया जाएगा। इसके बाद लगभग 10.30 मीटर का ढलान (स्लोप) तैयार किया जाएगा। इससे नदी की धारा सीधे तट से टकराने के बजाय नियंत्रित होकर बहेगी, जिससे कटान की संभावना कम हो जाएगी।नीचे की सतह पर सैंड बैग डालकर आधार मजबूत किया जा रहा है, जबकि ऊपर जियो बैग लगाकर तट को स्थिर किया जाएगा।इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 150 मजदूर लगातार काम कर रहे हैं। विभाग ने लक्ष्य रखा है कि अगले दो से ढाई महीने के भीतर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।कार्य की निगरानी रहा है, जबकि ऊपर जियो बैग लगाकर तट को स्थिर किया जाएगा।इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 150 मजदूर लगातार काम कर रहे हैं। विभाग ने लक्ष्य रखा है कि अगले दो से ढाई महीने के भीतर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। कार्य की निगरानी अधिकारी स्तर पर की जा रही है ताकि गुणवत्ता में कोई कमी न रहे। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि हर साल गंगा कटान के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना रहता था और कई बार जमीन व रास्तों को नुकसान उठाना पड़ता था।अब समय रहते काम शुरू होने से लोगों को राहत की उम्मीद जगी है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद गंगाघाट क्षेत्र में कटान की समस्या से काफी हद तक स्थायी समाधान मिल सकेगा और आने वाले समय में बाढ़ के दौरान भी नुकसान की आशंका कम होगी।

ग्राम समाज की जमीन को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद की सन्नी ग्राम पंचायत के मजरा गरेरेपुरवा में हनुमान मंदिर के पास स्थित एक जमीन को लेकर ग्रामीणों और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के बीच विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रधान और प्रधान प्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि जिस जमीन को खाली कराने की बात कही जा रही है, वह आबादी की पुश्तैनी जमीन है। इस पर गांव के कई परिवार 50 वर्षों से अधिक समय से काबिज हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस भूमि पर लोगों की झोपड़ियां बनी हैं, बाउंड्री वॉल खड़ी है और कई परिवार अपने पशु भी यहीं बांधते हैं।उनका कहना है कि यह भूमि सालों से उनके उपयोग में रही है और अब इसे खाली कराने का दबाव बनाया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इस जमीन को खाली कराकर अपने करीबी लोगों को देने की योजना बना रहे हैं।इसके साथ ही, बची हुई जमीन पर खेल का मैदान विकसित करने की बात कही जा रही है, जिससे गांव में असंतोष बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्य के नाम पर उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है और बिना उचित जांच एवं वैधानिक प्रक्रिया अपनाए उन्हें बेदखल करने की कोशिश हो रही है।विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन तेज करने को मजबूर होंगे।ग्रामीणों ने बताया कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर पूरे मामले की लिखित शिकायत करेगा और जमीन के स्वामित्व तथा कब्जे की निष्पक्ष जांच की मांग करेगा।मौके पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई और कहा कि जब तक स्पष्ट आदेश और वैध प्रक्रिया सामने नहीं आती, तब तक वे जमीन खाली नहीं करेंगे। वहीं, ग्राम प्रधान पक्ष की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

शोहदे ने फेसबुक इंस्टाग्राम पर युवती की डाली आपत्तिजनक फोटो दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी पिता ने थाने में तहरीर देकर कहा कि मेरे ही गांव का शिवाकांत पुत्र बुद्ध पासवान मेरी पुत्री की फर्जी फेसबुक तथा इंस्टाग्राम पर आईडी बनाकर मेरी पुत्री की आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट करता है तथा उसे बदनाम करते हुए धमकी देता है कि तुम्हारी पुत्री की शादी नहीं होने देंगे हम जबरदस्ती तुम्हारी पुत्री को उठा ले जाएंगे और जबरन शादी करेंगे तुम मेरा कुछ नहीं कर सकते लड़की की शादी 3 मई 2026 को होनी थी सभी रिश्तेदारों को शादी के निमंत्रण कार्ड भी बाटे जा चुके इसी बीच युवक लड़की के ससुराल जाकर लड़के पक्ष को डराया धमकाया और कहा कि मैं लड़की से शादी जबरदस्ती करूंगा अगर तुम लोग अपनी खैरियत चाहते हो तो शादी से इंकार कर दो धमकी से डर कर लड़के वालो ने शादी करने से इंकार कर दिया तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

पुलिस महानिदेशक ने फायर सर्विस सेंटर का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक फायर सर्विस सुजीत कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को दोस्तीनगर स्थित फायर सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और निमार्णाधीन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान फायर कर्मियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसकी सराहना करते हुए डीजीपी ने गार्ड टीम को 5000 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक ने फायर सर्विस सेंटर में उपलब्ध संसाधनों, उपकरणों और आपातकालीन तैयारियों का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीजीपी ने जोर दिया कि फायर सर्विस का दायित्व केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आपदा प्रबंधन के हर पहलू में सक्रिय भूमिका निभाना आवश्यक है।इसके बाद उन्होंने निमार्णाधीन ट्रेनिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया। यहां चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र फायर कर्मियों को आधुनिक तकनीकों और आपदा प्रबंधन के नवीन तरीकों का प्रशिक्षण देने में सहायक होगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता में सुधार होगा। पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने फायर सर्विस को और अधिक सक्षम बनाने के लिए संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। डीजीपी ने कर्मियों के प्रशिक्षण, उपकरणों के रखरखाव और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए विशेष निर्देश दिए इस अवसर पर जिलाधिकारी गौरांग राठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी/मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने डीजीपी को जिले में फायर सर्विस से संबंधित गतिविधियों और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी।

एम एन सी कक्ष का विधायक ने फीता काट कर किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक नए एम.एन.सी. (MNC) रूम का उद्घाटन किया गया। क्षेत्रीय विधायक बम्बालाल दिवाकर ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। विधायक दिवाकर ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उनका प्रयास है कि क्षेत्रवासियों को समय पर बेहतर उपचार और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि इस नए एम.एन.सी. रूम की स्थापना से सफीपुर क्षेत्र के निवासियों को काफी सुविधा मिलेगी। इससे उनकी आर्थिक बचत भी होगी इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर राम सहोदर डाक्टर बृजेश फरीद सचिन दीक्षित समेत समस्त स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे

कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं को पुतला फूंकने से पुलिस ने रोका

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान के विरोध में प्रदर्शन का प्रयास किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में पुतला दहन करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पुतला छीन लिया और उन्हें प्रदर्शन करने से रोक दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के खिलाफ आपत्तिजनक तथा अनर्गल बयान दिए हैं। इसी के विरोध में प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में जिला स्तर पर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाने थे।कुशवाहा ने बताया कि उन्नाव में भी कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय से जुलूस निकालकर पुतला दहन करने के लिए निकले थे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें कार्यालय के गेट पर ही रोक लिया। पुलिस ने कार्यकताओं से पुतला छीन लिया और उन्हें कार्यालय के भीतर ही रहने को कहा, जिससे वे विरोध प्रदर्शन नहीं कर सके। कुशवाहा ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रतानाशाहीर जैसी स्थिति है, जहां विपक्ष को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन सरकार के दबाव में काम कर रहा है और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सुबह से ही कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था, जिससे कार्यकताओं को एकत्र होने में दिक्कतें आईं। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता कार्यालय पहुंचे, लेकिन उन्हें बाहर निकलकर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली।कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन जारी रहा तो पार्टी कार्यकर्ता आगे और बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश स्तर पर भी विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा।

कंपोजिट विद्यालय के बच्चों द्वारा निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। विकास खंड सुमेरपुर के अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय कलानी में स्कूल चलो अभियानह्व के तहत एक भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ना और शिक्षा के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना रहा। रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राएं हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लेकर गांव की गलियों से गुजरे। ह्लसब पढ़ें, सब बढ़ेंह्व और ह्लहर बच्चा स्कूल जाएह्व जैसे नारों से पूरा वातावरण शिक्षामय हो उठा। बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था, वहीं ग्रामीण भी इस अभियान से प्रभावित नजर आए। इस अवसर पर इंचार्ज शिक्षक धर्मेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की मजबूत नींव है और प्रत्येक बच्चे का विद्यालय जाना अत्यंत आवश्यक है। ग्राम प्रधान दिलीप कुमार ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय में नामांकन कराएं और उन्हें शिक्षा से वंचित न रखें। कार्यक्रम में पत्रकार जीतेन्द्र अवस्थी की गरिमामयी उपस्थिति ने अभियान को और मजबूती प्रदान की। सहायक शिक्षक सौभाग्य सिंह एवं सौरभ सिंह ने भी बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया। वहीं शिक्षामित्र शालिनी देवी और आंगनवाड़ी कार्यकत्री धन्नो देवी ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली के समापन पर सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। इस पहल ने गांव में शिक्षा के प्रति एक नई ऊर्जा का संचार किया है, जो आने वाले समय में निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम देगी।

चोरों ने विद्युत तारों को बनाया अपना निशाना, पार किए लाखों के तार

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव।तहसील बीघापुर मुख्यालय से लगभग 500 मीटर की दूरी पर कस्बा पाटन मे चोरों ने लगभग 7 खम्भों के विद्युत तार काट कर उठा ले गये पाटन पावर हाउस से तहसील मुख्यालय के लिए कई वर्ष पहले ये लाइन बिजली विभाग द्वारा लगाई गई थी । बृहस्पतिवार की रात चोरो ने पाटन गांव के दक्षिण दिशा की तरफ तालाब के पास से पवार हाउस की तरफ लगे सात खम्भों के लगभग मोटे तार काट कर उठा ले गये ।उपखंड अधिकारी पाटन पावर हाउस राम शंकर ने बताया कि 11 के वी ए की लाइन दो वर्ष पूर्व बिछाई गयी थी ।जिसमें बिजली चालू नही की गयी थी ।जिसके तार चोरों द्वारा चोरी कर उठा ले गये है ।उपखंड अधिकारी ने चोरी की तहरीर थाना बिहार पुलिस को दिया है इससे पहले भी पाटन चौकी चोरी के मामले में सुर्खियों में रही कई सारी चोरियां होने के बाद भी आज तक किसी चोरी का खुलासा नहीं हो पाया जिससे चोरों के हौसले और बुलंद होते चले जा रहे हैं अगर इन चोरियों पर अंकुश नहीं लगा तो जनपद के कप्तान जयप्रकाश सिंह की कार्यशैली पर बड़े सवाल उठने लगेंगे क्षेत्र में हो रही ताबड़तोड़ चोरियों से क्षेत्र की जनता में भय की स्थिति बनी हुई इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जांच कर कार्यवाही की जाएगी ।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी और लूट के खिलाफ खोला मोर्चा, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों के शोषण और शिक्षा के नाम पर की जा रही 'लूट' के खिलाफ 'नर सेवा नारायण सेवा समिति' ने आवाज बुलंद की है। समिति के संस्थापक व प्रखर हिन्दू नेता विमल द्विवेदी ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपकर निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाने की मांग की है। ज्ञापन में विमल द्विवेदी ने आरोप लगाया कि शहर के अधिकांश प्राइवेट स्कूल शिक्षा को व्यापार बना चुके हैं। नए सत्र के नाम पर अभिभावकों से री एडमिशन व मनमानी फीस वसूली जा रही है। इसके अलावा, कमीशन के खेल में स्कूलों ने चुनिंदा दुकानों से ही महंगी किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाया हुआ है, जो बाजार मूल्य से कई गुना अधिक दाम पर बेची जा रही हैं। विमल द्विवेदी ने कहा, ग्गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार बच्चों की शिक्षा के बोझ तले दबते जा रहे हैं। प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप कर इन स्कूलों की फीस निर्धारित करनी चाहिए और किताबों-यूनिफॉर्म के नाम पर चल रहे कमीशन के खेल को बंद कराना चाहिए। समिति ने मांग की है कि यदि जल्द ही इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अभिभावकों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अनीता विमल द्विवेदी ,जिलाध्यक्ष ज्योति राजपूत ,नील मणि सिंह ,दीपा त्रिपाठी ,दीपिका बाजपेई ,पवित्रा ,कल्पना त्रिवेदी , जिला संयोजक अजय त्रिवेदी ,सह संयोजक राकेश राजपूत ,विनय द्विवेदी ,योगेंद्र तिवारी, एके दीक्षित ,राहुल दुबे ,धर्मेंद्र शुक्ला,सुजीत सिंह ,अंकुर त्रिपाठी ,अभिषेक तिवारी ,केतन अवस्थी ,अधिवक्ता अवनीश तिवारी ,विकास तिवारी ,राघवेंद्र पांडेय ,शिव सेवक त्रिपाठी ,अलोक शुक्ल ,अभी तिवारी ,अखिल मिश्रा ,अंशु शुक्ल ,,कमलेश बाजपेई ,मनीष मिश्रा ,संदीप सिंह ,मनीष अवस्थी ,विकास सिंह सेंगर ,मोनू ठाकुर ,शिवम्-शुक्ल श्याम मिलन अजय द्विवेदी ,महेंद्र राज शुक्ला अशोक चतुर्वेदी सहित सैकड़ो पदाधिकारी व अभिभावक उपस्थित रहे

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से मजदूर घायल हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मियागंज मार्ग पर गांव गौरी के समीप शुक्रवार दोपहर एक ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रॉली में गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए सीमेंट के उपकरण लदे थे। घायल मजदूर को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया गया है।घायल मजदूर की पहचान हरदोई जनपद के थाना संडीला क्षेत्र के गांव पटेहरा निवासी दिनेश (42) पुत्र भगवानदीन के रूप में हुई है। दिनेश निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर काम करता है। वह शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए कंपाउंड बाउंड्री वॉल लेने कोतवाली क्षेत्र के गांव जमालुद्दीनपुर स्थित एक सीमेंट उत्पाद प्लांट गया था।प्लांट से कंपाउंड बाउंड्री के खंभे लादकर वापस लौटते समय सफीपुर-मियागंज मार्ग पर गांव गौरी के समीप ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। इसके परिणामस्वरूप, लोड ट्रॉली पलट गई और दिनेश उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया।राहगीरों की मदद से घायल दिनेश को एंबुलेंस द्वारा सीएचसी सफीपुर पहुंचाया गया। सीएचसी में डॉक्टर बृजेश सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद दिनेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया।

कांग्रेसियों-पुलिस में धक्का-मुक्की, पुतला छीना

असम मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन, राहुल-खड़गे पर टिप्पणी का विरोध

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला फूंकने जा रहे कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई।पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से पुतला छीन लिया, जिसके बाद कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।कांग्रेसियों का आरोप है कि असम के मुख्यमंत्री राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे पर लगातार अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के लिए कांग्रेसी पहले जिला पार्टी कार्यालय पर इकट्ठा हुए थे। यहां से वे पुतला लेकर बाहर निकले, तभी पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पुतला छीनने के दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खान के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय राजीव भवन टाउन हॉल पर एकत्रित होकर जुलूस निकाला। कार्यालय के बाहर सदर इंस्पेक्टर भारी पुलिस बल के साथ मौजूद थे और उन्होंने जुलूस को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को कांग्रेसियों को रोकने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जोरदार नारेबाजी करते हुए कांग्रेसी नगर निगम तक पहुंच गए। इस दौरान पुतले के टुकड़े-टुकड़े हो गए। झड़प में कुछ कार्यकताओं को हल्की चोटें भी आईं और कुछ पदाधिकारियों के जूते-चप्पल टूट गए। पीसीसी सदस्य बिंदेश्वरी राज को कुछ पुरुष सिपाहियों ने घेर लिया, जिस पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस से तीखी नोकझोंक की। उन्होंने सवाल उठाया कि महिला कार्यकर्ता को पुरुष सिपाहियों ने क्यों छुआ, क्या उनके पास महिला पुलिसकर्मी नहीं हैं। काफी देर चली मशक्कत के बाद पुलिस पुतले के कुछ अंश अपने साथ ले गई।इस मौके पर जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में अब अपना विरोध भी दर्ज नहीं करवाया जा सकता। उन्होंने इतनी संख्या में पुलिस द्वारा कार्यालय घेरने को तानाशाही बताया और कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। गुप्ता ने जोर देकर कहा कि वे रुकने वाले नहीं हैं और हर मोर्चे पर लड़ाई जारी रहेगी। महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खान ने कहा कि खड़गे के खिलाफ हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा सीधे-सीधे दलितों का अपमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव हमेशा से होते आए हैं, लेकिन व्यक्तिगत रूप से किसी के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल कभी नहीं किया गया।

सम्पादकीय

मणिपुर हिंसा के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी

पूर्वोत्तर का संवेदनशील राज्य मणिपुर लगभग तीन वर्षों से जिस हिंसा की आग में सुलग रहा है, वह अब केवल कानून-व्यवस्था का मसला नहीं रह गया, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। कुकी समुदाय और मैतेई समुदाय के बीच अविश्वास और वैमनस्य इस हद तक बढ़ चुका है कि सामान्य नागरिक, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, हिंसा का सबसे आसान निशाना बनते जा रहे हैं। इन हालातों ने राज्य को अस्थिरता के भंवर में धकेल दिया है। विभिन्न जातियों के संगठन अपने हितों के लिए हिंसा को समर्थन दे रहे हैं। इसके कारण राज्य के सभी विकास कार्य ठप होकर रह गए हैं। हिंसा के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। चूंकि हाल ही में एक अमेरिकी और 6 यूक्रेनी नागरिकों का पकड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि ऐसी ताकतें भी राज्य में अस्थिरता फैला रही हैं। इसके साथ ही मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भी हिंसा की आग में घी का काम करता है। मादक पदार्थों से मिलने वाली आय से ऐसी घटनाओं को बल मिलता है। मंगलवार को दो मासूम बच्चों को निशाना बनाकर हत्या करना दर्शाता है कि हिंसा फैलाने वाले नहीं चाहते कि राज्य में अमन-चैन रहे। बिष्णुपुर जिले के मोइरांग इलाके में घर के भीतर सो रहे मासूम बच्चों पर बम फेंककर उनकी हत्या कर देना किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। पांच साल के एक बच्चे और छह महीने की नवजात की मौत केवल एक घटना नहीं, बल्कि यह इस बात का भयावह संकेत है कि हिंसा अब अपनी सारी सीमाएं लांघ चुकी है। बच्चों पर हमला उस स्थान पर किया गया है, जहां 2023 में जातीय हिंसा भड़की थी। यह साफ है कि यह हिंसा साजिशन है, क्योंकि ये बच्चे किसी भी हिंसा में शामिल नहीं थे और न ही इनका किसी से कुछ लेना-देना था। घटना के बाद जिस प्रकार विरोध प्रदर्शन हिंसक हो उठे, वाहनों को जलाना, पुलिस चौकियों पर हमला करना और यहां तक कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कैंप पर हमला करना वह स्थिति की गंभीरता को और बढ़ाता है। जवाबी फायरिंग में जान गंवाने वाले लोग इस बात के गवाह हैं कि हिंसा की आग अब नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस निरंतर हिंसा ने राज्य के विकास को पूरी तरह ठप कर दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग हर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। हजारों लोग विस्थापित होकर राहत शिविरों में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बच्चों की पढ़ाई छूट रही है और एक पूरी पीढ़ी असुरक्षा और भय के साये में पल रही है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अस्वीकार्य है। सरकार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक रणनीति अपनाए। जिस तरह देश ने नक्सलवाद पर सख्ती और समन्वित प्रयासों के जरिए काफी हद तक नियंत्रण पाया, उसी तरह मणिपुर में भी व्यापक और बहुस्तरीय कार्रवाई की जरूरत है। हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें कठोरतम सजा दी जानी चाहिए, चाहे वे किसी भी समुदाय या संगठन से जुड़े हों। साथ ही, केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से समाधान संभव नहीं है। दोनों समुदायों के बीच संवाद बहाल करना, विश्वास निर्माण के उपाय करना और सामाजिक सौहार्द को पुनर्स्थापित करना उतना ही जरूरी है। स्थानीय नेतृत्व, नागरिक संगठनों और केंद्र सरकार को मिलकर एक साझा मंच तैयार करना होगा, जहां समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान खोजा जा सके।

प्रतिनिधित्व

ममता कुशवाहा

लोकतंत्र में आधी आबादी की हिस्सेदारी

> भारत, जिसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, ने स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जब बात संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी की आती है, तो यह प्रगति असमान और कई बार निराशाजनक रूप से धीमी दिखाई देती है। जबकि महिलाएं देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, फिर भी उनकी उपस्थिति राजनीतिक संस्थाओं में अत्यंत कम है। ऐसे में महिलाओं के लिए आरक्षण की लंबे समय से चली आ रही मांग केवल एक राजनीतिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक आवश्यकता बन जाती है। साल 2023 में महिला आरक्षण अधिनियम का पारित होना भारत के संवैधानिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

किसी भी जीवंत लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल संख्या का खेल नहीं होता, बल्कि यह न्याय, समानता और समाज की सामूहिक आवाज़ का प्रतिबिंब होता है। भारत, जिसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, ने स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जब बात संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी की आती है, तो यह प्रगति असमान और कई बार निराशाजनक रूप से धीमी दिखाई देती है। जबकि महिलाएं देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, फिर भी उनकी उपस्थिति राजनीतिक संस्थाओं में अत्यंत कम है। ऐसे में महिलाओं के लिए आरक्षण की लंबे समय से चली आ रही मांग केवल एक राजनीतिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक आवश्यकता बन जाती है।

साल 2023 में महिला आरक्षण अधिनियम का पारित होना भारत के संवैधानिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कानून के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यह कदम दशकों से चली आ रही उस संरचनात्मक असमानता को स्वीकार करता है, जिसने महिलाओं को राजनीति में उचित स्थान नहीं मिलने दिया। हालांकि, असली चुनौती इस कानून को पारित करने में नहीं, बल्कि इसे समय पर और प्रभावी ढंग से लागू करने में है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, इस आरक्षण को अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ा गया है, जो 2026 के बाद ही संभव है। इस शर्त के कारण यह आशंका पैदा होती है कि इस कानून का लाभ कई वर्षों तक टल सकता है। यहीं पर सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व के लिए और कितने समय तक प्रतीक्षा करनी चाहिए? भारत ने अपनी लोकतांत्रिक यात्रा की शुरुआत में ही दूरदर्शिता दिखाते हुए महिलाओं को पुरुषों के समान मतदान का अधिकार दिया था। यह विश्व के सामने एक आदर्श उदाहरण था। लेकिन लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है; इसमें निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है, लेकिन राजनीति में उनकी कम भागीदारी यह दर्शाती है कि सामाजिक और संरचनात्मक बाधाएं अब भी मौजूद हैं। आंकड़े इस असमानता को और स्पष्ट करते हैं। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत के आसपास है, जबकि कई राज्य विधानसभाओं में यह प्रतिशत इससे भी कम है। यह कमी महिलाओं की योग्यता या इच्छा की कमी के कारण नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक सोच, संसाधनों की सीमित उपलब्धता और पुरुष-प्रधान राजनीतिक ढांचे के कारण है। ऐसे में आरक्षण एक आवश्यक सुधार के रूप में सामने आता है, जो इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास करता है। हालांकि, इस आरक्षण को लागू करने की प्रक्रिया कई तकनीकी और संवैधानिक जटिलताओं में उलझी हुई है, जिनमें सबसे प्रमुख है परिसीमन का मुद्दा। परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण, ताकि प्रतिनिधित्व संतुलित रहे। यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन इसे महिला आरक्षण से जोड़ना एक अनावश्यक बाधा बन गया है। चूंकि परिसीमन एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें समय और राजनीतिक सहमति दोनों की आवश्यकता होती है, इसलिए इसके पूरा होने तक इंतजार करना महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण को टालने जैसा है। इस स्थिति से निकलने के लिए हमें प्रतिनिधित्व की अवधारणा को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यदि आरक्षण को केवल भौगोलिक निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित न रखा जाए, तो एक मिश्रित प्रणाली अपनाई जा सकती है, जिसमें प्रत्यक्ष चुनाव और अनुपातिक प्रतिनिधित्व दोनों का समावेश हो। इस व्यवस्था में अतिरिक्त सीटें बनाई जा सकती हैं और उन्हें राजनीतिक दलों को उनके वोट प्रतिशत के आधार पर आवंटित किया जा सकता है, इस शर्त के साथ कि इन सीटों पर महिलाएं ही उम्मीदवार हों।

यह तरीका न केवल परिसीमन की आवश्यकता को टाल सकता है, बल्कि अधिक न्यायसंगत प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित कर सकता है। महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटों का निर्माण एक व्यावहारिक और नवोन्मेषी विचार है। इससे संसद की कुल सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं को स्थान दिया जा सकता है, बिना वर्तमान सांसदों को हटाए।

इससे राजनीतिक विरोध की संभावना भी कम हो जाती है, क्योंकि मौजूदा सीटों पर कोई खतरा नहीं रहता। साथ ही, बढ़ती जनसंख्या और प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुसार संसद के विस्तार की आवश्यकता भी पूरी होती है। नया संसद भवन, जिसे अधिक सदस्यों को समायोजित करने के लिए बनाया गया है, इस दिशा में एक उपयुक्त अवसर प्रदान करता है। इस व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह जनता के जनादेश का सम्मान करता है। जब सीटों का आवंटन वोट प्रतिशत के आधार पर होगा, तो यह सुनिश्चित होगा कि प्रतिनिधित्व वास्तव में जनता की इच्छा को दर्शाता है। इससे राजनीतिक दलों को महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलेगी और धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति में समावेशिता बढ़ेगी। भारत जैसे विविध और विशाल देश में, जहां चुनौतियां भी जटिल हैं, वहां ऐसे नवाचारी उपाय आवश्यक हो जाते हैं। तकनीकी पहलुओं से आगे बढ़कर, हमें महिला आरक्षण के व्यापक प्रभाव को भी समझना चाहिए। जब अधिक महिलाएं संसद और विधानसभाओं में होंगी, तो नीति निर्माण में भी बदलाव आएगा। महिला आरक्षण को लागू करने में देरी अब किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराई जा सकती। प्रक्रिया संबंधी कारणों का हवाला देकर इसे टालना इस सुधार की भावना के साथ अन्याय होगा।

यह भी समझना जरूरी है कि आरक्षण अपने आप में अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि समानता की ओर बढ़ने का एक साधन है। जैसे-जैसे समाज में बदलाव आएगा और महिलाओं के सामने खड़ी बाधाएं कम होंगी, वैसे-वैसे इस तरह के उपायों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। लेकिन वर्तमान समय में, जब असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, तब आरक्षण एक अनिवार्य उपाय बन जाता है। संसद में महिलाओं के आरक्षण की यात्रा भारत के लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी है और उसके भविष्य को दिशा देने का अवसर भी। इसे तेजी से लागू करने के लिए केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। यदि भारत इस दिशा में साहसिक कदम उठाता है, तो वह एक बार फिर विश्व के सामने एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। अब सवाल यह नहीं है कि क्या हम यह कर सकते हैं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे बिना और देर किए करने का साहस दिखाएंगे।

मंथन

विवेक शुक्ला

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसाइक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, "भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।" कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, "कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।" प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज़, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोज़ेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज़ उपयोगी बन जाती है। ये रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मज़बूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते। सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं।

हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं?

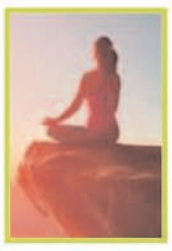

संकलित

दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्त्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

जब मन हो अशांत, इष्टदेव का ध्यान करें

संकलित

प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

गर्भवती की समय पर कराएं सभी जरूरी जांच ताकि जच्चा-बच्चा पर न आए कोई आंच

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस (11 अप्रैल) पर विशेष

लेखक --- मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

गर्भवती और नवजात के खास देखभाल पर सरकार और स्वास्थ्य विभाग का पूरा जोर है। प्रसव पूर्व जरूरी चार बार की जांच के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत महीने की एक, नौ, 16 और 24 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा गर्भवती के जांच की विशेष व्यवस्था की जाती है। गर्भवती के पोषण का ख्याल रखने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत बैंक खाते में निर्धारित धनराशि देने की भी व्यवस्था है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर गुणवत्तापूर्ण प्रसव सुविधाएँ और एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध हैं। प्रसव बाद भी जच्चा-बच्चा की देखभाल की खास व्यवस्था है। यह सारी व्यवस्थाएं इसलिए की गयी हैं ताकि जच्चा-बच्चा का जीवन खुशहाल बन सके और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर के आंकड़े में कमी लायी जा सके। इस बारे में समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने के साथ ही हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का मूल मकसद समुदाय के हर वर्ग को यह बताना है कि जच्चा-बच्चा की खुशहाली के लिए सरकार द्वारा की गयीं व्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए लोग आगे आयें और जच्चा-बच्चा का जीवन खुशहाल बनाएं। प्रसव पूर्व चार जरूरी जांच का महत्व इसलिए भी है कि अगर किसी तरह का जोखिम हो तो उसे समय रहते दूर किया जा सके। जांच में यह जरूर पता किया जाता है कि गर्भवती का दो या उससे अधिक बार बच्चा गिर तो नहीं गया है या एबार्शन तो नहीं हुआ है। बच्चे की पेट में मृत्यु हो गयी हो या पैदा होते ही मृत्यु हो गयी हो, कोई विकृति वाला बच्चा पैदा हुआ हो, प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव हुआ हो या पहला प्रसव बड़े आपरेशन से हुआ हो तो उसे जटिलता वाली गर्भवती (एचआरपी) के रूप में चिन्हित कर सुरक्षित प्रसव के हरसम्भव प्रयास किए जाते हैं। इसके साथ ही यह भी पता किया जाता है कि गर्भवती को पहले से कोई बीमारी तो नहीं है, जैसे- उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, दिल, गुर्दे, मिर्गी या टीबी की बीमारी, पीलिया, लीवर की बीमारी, हाइपो थायराइड आदि। यदि इस तरह की कोई बीमारी गर्भवती में पहले से है तो भी उसकी खास देखभाल कर सुरक्षित मातृत्व सुख प्रदान करने की पूरी कोशिश की जाती है। वर्तमान गर्भावस्था की बारीकी से परख की जाती है ताकि समय से पता चल सके कि गर्भवती गंभीर एनीमिया (सात ग्राम से कम हीमोग्लोबिन) की शिकार तो नहीं है। ब्लड प्रेशर की जांच कर उसे सामान्य रखने की कोशिश की जाती है। गर्भ में बच्चा आड़ा या तिरछा तो नहीं है। चौथे महीने के बाद खून आना, गर्भावस्था में डायबीटीज का पता चलना या एचआईवी या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित होने का पता चलता है तो विशेष प्रबन्धन कर सुरक्षित प्रसव कराने की कोशिश की जाती है। इसलिए जच्चा-बच्चा की खुशहाली इसी में है कि गर्भावस्था का पता चलते ही जल्दी से जल्दी निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में पंजीकरण कराएं ताकि सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राप्त करने की हकदार बन सकें। प्रसव से पहले प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा जांच करने से गर्भवती को सभी जरूरी परामर्श भी मिल जाते हैं, जिसका पालन करते हुए वह सुरक्षित मातृत्व सुख का लाभ उठा सकती हैं। इसके साथ ही उन्हें परिवार नियोजन की सुविधाओं के बारे में भी अवगत कराया जाता है ताकि वह अपने मनमुताबिक साधनों को अपनाकर दूसरे बच्चे की योजना तीन साल बाद ही आसानी से बना सकें, क्योंकि प्रसव के तीन साल बाद ही महिला का शरीर दूसरे गर्भधारण के योग्य बन पाता है। महिलाओं, युवतियों और किशोरियों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए ताकि जरूरत के मुताबिक शरीर को आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन मिलता रहे और एनीमिया की गिरफ्त में वह न आने पायें। इसके लिए जरूरी है कि वह ऐसे खाद्य पदार्थों को अपनी थाली में शामिल करें जो कि इन गुणों से भरपूर होते हैं। गर्भवती खाने में हरी साग-सब्जी, फल का ज्यादा इस्तेमाल करें और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक आयरन और कैल्शियम की गोलियों का सेवन करें। प्रसव का समय निकट आने पर सुरक्षित प्रसव के लिए घर-परिवार की सलाह से निकटतम अस्पताल का चयन पहले से कर लेना चाहिए। रजिस्ट्रेशन के समय मिले मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड, जरूरी कपड़े साथ रखें और एम्बुलेंस का नम्बर भी याद रखें, ताकि किसी आपात स्थिति का प्रबन्धन आसानी से किया जा सके। इसमें स्थानीय आशा कार्यकर्ता भी अहम भूमिका निभा रही हैं। गर्भावस्था का पता चलते ही रजिस्ट्रेशन कराने से लेकर संस्थागत प्रसव के लिए गर्भवती को अस्पताल तक पहुँचाने और मनोबल बढाने के लिए वह हर वक्त उनके साथ मुस्तैद रहती हैं। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए ही सरकार द्वारा जननी सुरक्षा योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत उनको एक निर्धारित राशि भी दी जाती है और गर्भवती को एम्बुलेंस से घर से अस्पताल लाने और घर तक पहुंचाने की भी व्यवस्था की जाती है। प्रसव के बाद 48 घंटों तक अस्पताल में रोककर जरूरी देखभाल के साथ जरूरी टीकाकरण भी किया जाता है। जन्म के तुरंत बाद नवजात की देखभाल के लिए जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इसके अलावा सुरक्षित मातृत्व आश्वासन योजना (सुमन) भी संचालित की जा रही है, जिसके तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती और नवजात को प्रसव के बाद छह महीने तक निःशुल्क, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसका भी उद्देश्य मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को शून्य पर लाना है। इसलिए आज के दिन घर के बड़े-बुजुर्गों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह परिवार की गर्भवती को सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए गर्भावस्था का पता चलते ही स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर रजिस्ट्रेशन जरूर कराएँगे और समय-समय पर जरूरी जांच के साथ खानपान का भी पूरा ख्याल रखेंगे ताकि जच्चा-बच्चा को खुशहाल जीवन प्रदान करने का सौभाग्य उन्हें मिल सके।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

संक्षेप

लापता किशोरी 36 घंटे बाद बरामद

पुलिस ने ड्रोन कैमरों से निगरानी की, परिजनों को सौंपा

अमेठी , लापता हुई 11 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर बाराबंकी से सकुशल बरामद कर लिया है। किशोरी 5 अप्रैल को स्कूल के लिए निकली थी और घर नहीं लौटी थी, जिसके बाद परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। यह घटना शिवरतनगंज थाना क्षेत्र की है। 11 वर्षीय किशोरी 5 अप्रैल की सुबह साइकिल से स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। शाम तक उसके घर न लौटने पर परिजनों ने शिवरतनगंज थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने किशोरी की तस्वीर जिले के सभी थानों और आसपास के जिलों में भेजी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आसपास के जंगली इलाकों में ड्रोन कैमरों की मदद से भी निगरानी की गई। 6 अप्रैल को बाराबंकी पुलिस को 112 नंबर पर एक किशोरी के मिलने की सूचना मिली। बाराबंकी महिला थाना पुलिस ने किशोरी को अपनी कस्टडी में लेकर अमेठी पुलिस से संपर्क किया। सूचना मिलने पर शिवरतनगंज पुलिस बाराबंकी पहुंची और किशोरी को अपने साथ अमेठी ले आई। पुलिस ने किशोरी को उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि किशोरी 5 अप्रैल को साइकिल से निकली थी और किसी तरह बाराबंकी पहुंच गई थी। एक जागरूक नागरिक ने 112 पर इसकी सूचना दी थी। एसपी ने आगे बताया कि 'सी प्लान एप्लीकेशन' के माध्यम से बाराबंकी जिले से यह सूचना प्राप्त हुई कि लापता किशोरी महिला थाना में है। किशोरी की तलाश में अत्याधुनिक तकनीकों और ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया गया, जिसमें जंगल और तालाबों की निगरानी भी शामिल थी। किशोरी की मां ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी बेटी साइकिल से कहीं चली गई थी, जिसे पुलिस ने सकुशल ढूंढकर उन्हें वापस सौंप दिया है।

गेहूं खरीद शुरू, 30 हजार मीट्रिक टन का लक्ष्य

अमेठी में 106 क्रय केंद्र, 7 मोबाइल केंद्र भी खोले गए

अमेठी , जिले में 30 मार्च से गेहूं खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शासन ने जिले के लिए 30 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस साल गेहूं का खरीद मूल्य 25 रुपये 85 पैसे प्रति क्विंटल तय किया गया है। किसानों की सुविधा के लिए कुल 106 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 7 मोबाइल क्रय केंद्र भी शामिल हैं, जो गांवों में जाकर किसानों से सीधे गेहूं खरीदेंगे। अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार 22 अधिक क्रय केंद्र खोले गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि खरीद प्रक्रिया को निर्धारित समय पर पूरा कर लिया जाए। जिले में गेहूं का उत्पादन भी काफी अच्छा रहा है, जिसमें लगभग 38 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज दर्ज की गई है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है । कि वे अपनी गेहूं की फसल को सरकारी क्रय केंद्रों पर ही बेचें।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने किया रुपईडीहा थाने का निरीक्षण, सीमा सुरक्षा का लिया जायजा

रुपईडीहा व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा नवागत पुलिस अधीक्षक से मुलाकात

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। जिले में कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने शुक्रवार को भारत-नेपाल सीमा से सटे रुपईडीहा थाने का औचक निरीक्षण किया। यह उनका जनपद में पहला क्षेत्रीय दौरा रहा। ज्ञात हो कि 30 मार्च को पूर्व पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह के स्थानांतरण के बाद विश्वजीत श्रीवास्तव को बहराइच का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने को प्राथमिकता दी। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे रुपईडीहा पहुंचकर एसपी ने थाने का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों का रख-रखाव, शस्त्रागार एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पहुंचे, जहां उन्होंने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सीमा से होकर आने-जाने वाले लोगों की जांच प्रक्रिया को भी देखा और सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए।सीमा निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत, एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट सुनील कुमार शांति सहित अन्य अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। इस अवसर पर नेपाल के सीमावर्ती थाना जमुनहा के इंचार्ज किरण मल्ल तथा नेपाल सशस्त्र बल (बांके) के अधिकारी के. भट्ट से भी मुलाकात कर सीमा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। पत्रकारों से बातचीत में एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि जनपद में कार्यभार ग्रहण करने के बाद यह उनका पहला सीमावर्ती दौरा है। उन्होंने बताया कि भारत-नेपाल सीमा संवेदनशील है, ऐसे में यहां की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उन्हें रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। साथ ही, नेपाल एक मित्र राष्ट्र होने के नाते आम नागरिकों के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी, लेकिन अवांछनीय तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति ने नवागत एसपी से की औपचारिक भेंट, किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति, लखनऊ के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशन में समिति की बहराइच इकाई ने नवागत पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव से उनके कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने बुके एवं वार्षिक पत्रिका ह्लसेवा पथह्व भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

समिति के प्रतिनिधिमंडल में जिला सचिव एवं जेल विजिटर जिला कारागार केशव कुमार मौर्य, जिला उपाध्यक्ष शेर सिंह कसौधन, जिला उप सचिव विनोद कुशवाहा, जिला मंत्री मोहसिन अहमद, रुपईडीहा नगर उपाध्यक्ष इरशाद हुसैन, संगठन मंत्री रमेश मिश्रा एवं जिला संगठन मंत्री ओमकार नाथ मिश्रा सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।बैठक के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने जिले की कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की तथा समिति के कार्यों एवं उद्देश्यों से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। जिला उपाध्यक्ष शेर सिंह कसौधन ने बताया कि अपराध निरोधक समिति सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था है, जो जेल मैनुअल के तहत कार्य करते हुए जिला कारागार बहराइच में निरुद्ध बंदियों के हितों के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी पर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने सराहना व्यक्त करते हुए भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इसी क्रम में समिति के सदस्यों ने अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी से भी भेंट कर उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया तथा जिले के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

आदर्श नगर पंचायत मिहींपुरवा में नामित सभासदों को दिलाई गई शपथ

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। आदर्श नगर पंचायत मिहींपुरवा में नामित किए गए तीनों सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन। गल्ला मंडी में संचालित नगर पंचायत कार्यालय में हुआ। पिछले दिनों शासन द्वारा नगर निगम नगर पंचायत नगर पालिका आदि में नामित सभासदों की घोषणा की गई।शुक्रवार को आदर्श नगर पंचायत मिहींपुरवा के कार्यालय पर नामित सभासद अशोक कुमार लोधी उर्फ गुड्डू लोधी, विमल पोरवाल, सुभाष दास को पद एवं गोपनीयता की शपथ उप जिलाधिकारी रामदयाल व प्रभारी अधिशासी अधिकारी रंग बहादुर सिंह ने दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र मदेशिया के साथ ही नगर पंचायत के सभी 15 सभासदों की उपस्थिति रही।

मनोनीत सभासदों को एसडीएम ने दिलाई शपथ

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील परिसर स्थित नगर पंचायत कैसरगंज के सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम कैसरगंज अखिलेश सिंह ने शासन द्वारा मनोनीत सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी नवनियुक्त सभासदों से नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई।कार्यक्रम का संचालन नगर पंचायत कैसरगंज के अधिशाषी अधिकारी शिवम द्विवेदी ने किया।शासन द्वारा मनोनीत सभासदों में पवन कुमार सिंह, अनिल सोनी ह्यअन्नाह्ल एवं राम सतीश वर्मा शामिल रहे, जिन्होंने शपथ ग्रहण की। इनकी नियुक्ति के बाद नगर पंचायत कैसरगंज में सभासदों की कुल संख्या 19 हो गई है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि सुनील सिंह (सांसद प्रतिनिधि) सहित गौरव वर्मा (विधानसभा संयोजक, भाजपा), संदीप सिंह विसेन (ब्लॉक प्रमुख) व बादशाह सिंह ने नवनियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में सुबेद वर्मा, शिव सहाय सिंह, नीरज श्रीवास्तव, मन्नू सिंह, बदलू महाराज, संजय सिंह, पंकज सिंह, सुशील सिंह, सभासद हीरालाल मौर्य, हिमांशु सिंह, उमेश सिंह, विनय प्रताप सिंह सहित नगर पंचायत अध्यक्ष व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वन्य जीव के हमले में महिला घायल मेडिकल कॉलेज में भर्ती

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के रेंज मुर्तिहा का मामला

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में हिंसक वन्य जीवों का हमला लगातार जारी है। शुक्रवार को मुर्तिहा रेंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरी घटही के मजरा सुरजी पुरवा निवासी महिला शांति देवी पर बाघ ने अचानक हमला कर दिया हमले में महिला बुरी तरह से घायल हो गई और महिला का एक हाथ भी कटकर शरीर से अलग हो गया ।आसपास मौजूद लोगों ने हांका लगाकर हल्ला मचाया तब जाकर बाघ महिला को छोड़कर चला गया। वहीं गंभीर रूप से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है जहां महिला का इलाज चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि महिला के ऊपर बाघ द्वारा हमला किया गया है जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि मुर्तिहा रेंज में जलौनी लकड़ी बीनने जंगल के काफी अंदर गई एक महिला पर वन्य जीव का हमला हुआ है और हमला करने वाला वन्य जीव बाघ नहीं बल्कि तेंदुआ है। महिला द्वारा इकट्ठा की गई जलौनी लकड़ी का गट्ठर भी मौके से बरामद किया गया है। महिला का इलाज हो रहा है लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

कम्पोजिट विद्यालय बनकुरी में निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली

घर-घर जाकर बच्चों के नामांकन के लिए कर रहे जागरूक

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय बनकुरी में शुक्रवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमीम अहमद के नेतृत्व में किया गया जिसमे शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय अभिभावक और छात्र-छात्राओं ने मिलकर पूरे गांव में भ्रमण किया। इस जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना व ड्राप आउट बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ना है। रैली में सभी बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। ₹ पापा सुन लो विनय हमारी पढ़ने की है उम्र हमारी ₹ और ' पढ़ी - लिखी नारी घर-घर की उजियारी ₹ जैसे स्लोगन से गांव का माहौल गूंज उठा। प्रधानाध्यापक शमीम अहमद ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों कों नियमित रूप से स्कूल भेजें। जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इस मौके पर शिक्षक गोपेश यादव, शाकिर अली, बचन सिंह, कोपिन, मो रिजवान, पवन कुमार शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

युवक की हत्या कर शव मिट्टी में दबाया

टहलने निकले लोगों ने पैर बाहर देखा, हाथ पर लिखा है- वीर

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , थाना गांधी पार्क क्षेत्र में गांधी पार्क बस स्टैंड के पीछे लकड़ी की टाल में युवक की हत्या कर शव मिट्टी में दबा दिया गया। सुबह शाहकमाल रोड पर टहलने निकले लोगों ने मिट्टी से पैर बाहर निकले देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पहचान न होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह टहलने के दौरान मिट्टी से पैर बाहर निकला दिखा। पास जाकर देखने पर शव दबा होने की आशंका हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी हटाकर शव बाहर निकाला। युवक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है।

पहचान के लिए मिले सुराग

थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक के सीधे हाथ में नगरकोट का कड़ा मिला है। दाहिने कंधे पर हनुमान का टैटू और हाथ पर ह्यवीरह्ल लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक को शाहकमाल रोड के आसपास घूमते देखा गया था।

पत्थरों से हत्या की आशंका

शव के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं और पास में पत्थर पड़े हुए थे। पुलिस को आशंका है कि ईंट-पत्थरों से वार कर हत्या की गई है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से पत्थर समेत अन्य साक्ष्य एकत्रित कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरा नहीं मिला है, लेकिन आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिला जज की अदालत में निगरानी याचिका दाखिल

सुलतानपुर पुलिस की अंतिम रिपोर्ट का विरोध, आरोपियों को लाभ पहुंचाने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर , पुलिस की कार्यप्रणाली और निचली अदालत के एक आदेश को चुनौती देते हुए सरिता यादव ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में एक फौजदारी निगरानी याचिका दायर की है। यह याचिका दंड प्रक्रिया संहिता (बीएनएसएस) की धारा 438/440 के तहत दाखिल की गई है। मामला चांदा थाना क्षेत्र के ग्राम मदारडीह से संबंधित है। याचिकाकर्ता सरिता यादव ने संतोष पाण्डेय, विवेक मिश्रा और सुशील निषाद के खिलाफ दर्ज मुकदमे में पुलिस द्वारा दाखिल की गई अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी है। निचली अदालत ने 28 मार्च 2026 को यह आदेश पारित किया था। याचिका में विवेचक (जांच अधिकारी) और निचली अदालत के आदेश पर कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। निगरानीकर्ता का आरोप है कि निचली अदालत ने पत्रावली पर मौजूद सबूतों का अवलोकन किए बिना ही आदेश पारित कर दिया। याचिका में यह भी कहा गया है कि विवेचक ने अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने के इरादे से घटना के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और लोकेशन की जांच नहीं की। आरोप है कि केस डायरी में लगाए गए गवाहों के शपथ पत्र अभियुक्तों के मददगार हैं और उन्हें किसी नोटरी अधिकारी द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है। याचिका के अनुसार, केस डायरी के पर्चा नंबर 2 में मृतक सुनील कुमार यादव के शरीर पर आई चोटों का उल्लेख है, लेकिन विवेचक ने इस महत्वपूर्ण बिंदु पर कोई विस्तृत जांच नहीं की। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि केस डायरी (पर्चा संख्या 8) में शपथ पत्रों का इंद्राज उनके वास्तविक रूप से प्राप्त होने से पहले ही कर लिया गया था। यह तथ्य पुलिस की मिलीभगत की ओर इशारा करता है। सरिता यादव ने अदालत से निवेदन किया है कि 28 मार्च के उस आदेश को निरस्त किया जाए ।

सीएचसी के बीपीएम 50 हजार घूस लेते गिरफ्तार

स्वीपर भर्ती के नाम पर डेढ़ लाख रुपए मांगे थे, विजिलेंस टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , प्रयागराज से आई विजिलेंस टीम ने सीएचसी बाघराय के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) अमित मिश्रा को 50 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। बीपीएम पर स्वीपर भर्ती के नाम पर डेढ़ लाख रुपए मांगने का आरोप है। पहली किश्त के तौर पर 50 हजार लिए जा रहे थे। विजिलेंस टीम ने अमित मिश्रा को उनके कार्यालय से गिरफ्तार किया। इसके बाद टीम उन्हें पकड़कर बाहर लेकर आई। बीपीएम को गाड़ी में बैठाकर सीधे प्रयागराज रवाना हो गई। दरअसल, पीड़ित ने 6 अप्रैल को विजिलेंस टीम प्रयागराज से शिकायत की थी। आरोप था, बीपीएम अमित मिश्रा स्वीपर की भर्ती के लिए उससे डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपए देने को कहा गया। बाकी की रकम एक हफ्ते में देने की शर्त रखी गई। रिश्वत की पूरी रकम मिलने पर ही भर्ती करने का आश्वासन दिया जा रहा था। शिकायत के बाद दोपहर 12 बजे बजे 8 सदस्यीय विजिलेंस टीम प्रतापगढ़ के बाघराय सीएचसी पहुंची। जैसे ही पीड़ित ने अमित मिश्रा को 50 हजार रुपये दिए, टीम ने उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से सीएचसी बाघराय में हड़कंप मच गया। सीएचसी के अन्य स्वास्थ्य कर्मियों और अधिकारियों ने पहले टीम से पूछताछ करने की कोशिश की, लेकिन विजिलेंस टीम का पता चलते ही वे पीछे हट गए।

विवाहिता पर जानलेवा हमला, गंभीर घायल

5 नामजद सहित 8 पर केस दर्ज, 2 दिन बाद भी आरोपी फरार

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , दिलीपपुर थाना क्षेत्र के सरखेलपुर गांव में सुबह एक विवाहिता लहूलुहान हालत में अचेत मिली। पुलिस ने इस मामले में अभी तक हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया है। घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, रानीगंज थाना क्षेत्र के कसेरुआ निवासी 32 वर्षीय अफसरी बानो सोमवार सुबह सरखेलपुर गांव में चाकू से हमले के बाद गंभीर रूप से घायल पाई गई थीं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है कि अफसरी बानो की शादी सरखेलपुर निवासी महताब से हुई थी। करीब तीन साल पहले पारिवारिक विवाद के चलते वह मायके चली गई थीं। बाद में वह गांव के ही सलमान के साथ रहने लगी थीं। पुलिस इस विवाद को हमले की मुख्य वजह मान रही है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने महताब, सलमान, रकीब, गुफरान, आजाद सहित तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि हमलावर महिला को मरा समझकर मौके से फरार हो गए थे। घटना के दूसरे दिन भी सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। दिलीपपुर थाना प्रभारी बलराम सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

संक्षेप

नौकरी की मन्नत मांगने जा रहे इंजीनियर दोस्तों की मौत

एक दिन पहले डिग्री मिली; बागपत में कार बंद एक्सप्रेस-वे पर बैरियर से टकराई

बागपत ,दो इंजीनियर दोस्तों की मंगलवार देर रात 1 बजे सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों को एक दिन पहले ही बीटेक की डिग्री मिली थी। मंगलवार रात दोनों नौकरी की मन्नत मांगने दिल्ली से ऋषिकेश के नीलकंठ मंदिर जा रहे थे। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार के मुताबिक, दोनों रास्ता भटक गए थे। उन्होंने गूगल मैप का इस्तेमाल किया, जो उन्हें दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर ले गया। 100 की रफ्तार से एक्सप्रेस-वे पर 200 मीटर चलने के बाद टाटा पंच कार बेकाबू हो गई और बैरियर से जा टकराई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शहर कोतवाली क्षेत्र में हुआ। बता दें कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे अभी निमार्णाधीन है। इंजीनियर कपिल (24) और प्रयाग कौशिक (25) दिल्ली के नांगलोई के रहने वाले थे। दोनों अपने-अपने परिवार के इकलौते बेटे थे।प्रयाग के पिता राजेंद्र कौशिक नीति आयोग में अंडर सेकेट्री हैं। घर में मां के अलावा 2 बहनें हैं। कपिल के पिता राजेश प्राइवेट नौकरी करते हैं। ताऊ बोले-साइन बोर्ड लगे होते तो जान बच जाती प्रयाग कौशिक के ताऊ देवीलाल ने कहा- दोनों बच्चों ने एक साल पहले बीटेक की परीक्षा पास की थी, लेकिन सोमवार को ही यूनिवर्सिटी से डिग्री मिली थी। वे नौकरी की मनोकामना लेकर ऋषिकेश के नीलकंठ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने जा रहे थे, लेकिन हादसे का शिकार हो गए। उन्होंने कहा- जब हाईवे पर निर्माण कार्य चल रहा हो, तो सही तरीके से बैरिकेडिंग और साइन बोर्ड लगाए जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अधिकारियों की लापरवाही के चलते बच्चों की जान चली गई। इससे पहले भी यहां कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।ओवरस्पीडिंग के चलते हुआ हादसा दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बागपत से होकर गुजर रहा है। यहां वाहनों के लिए एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा ओवरस्पीडिंग के चलते हुआ।

जिला पंचायत सदस्यों का धरना

जांच के नाम पर विकास कार्य रोकने का आरोप लगाया, जताई नाराजगी

बागपत , पंचायत कार्यालय पर जिला पंचायत सदस्यों ने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों पर विकास कार्यों को बेवजह रोकने और उनकी कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। सदस्यों का आरोप है कि जांच के नाम पर लगातार विकास कार्य रोके जा रहे हैं, जबकि पर्याप्त बजट उपलब्ध है। ठेकेदारों को भी समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों पर बिना किसी ठोस कारण के विकास कार्यों में देरी करने और 'प्रशासक बनकर पैसे का बंदरबांट' करने का आरोप लगाया। जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल ने कहा कि अधिकारी 'बंदरबांट' कर रहे हैं और शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों के रवैये को अनुचित बताया। सदस्यों ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि यदि उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं होता है, तो वे बड़ा आंदोलन और भूख हड़ताल करेंगे। फिलहाल यह सांकेतिक धरना था। जिला पंचायत सदस्य बसंत तोमर ने भी अधिकारियों को अपनी कार्यशैली सुधारने की सलाह दी।

अंतिम मतदाता सूची जारी, 38 लाख शामिल

49 हजार नए युवा मतदाता जुड़े, जेंडर रेशियो में हुआ सुधार

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह सूची 1 जनवरी 2026 को आधार तिथि मानकर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत तैयार की गई है। जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में अब कुल 38,65,975 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 21,19,258 पुरुष, 17, 46, 389 महिला और 328 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इस बार मतदाता सूची में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले कुल मतदाताओं की संख्या 35,36,555 थी, जो अब बढ़कर 38,65,975 हो गई है। यानी कुल 32,942 नए मतदाता जुड़े हैं। हालांकि प्रेस विज्ञप्ति में कटे हुए मतदाताओं की सटीक संख्या नहीं बताई गई है, लेकिन पुनरीक्षण के दौरान मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट नामों को हटाया भी गया है। इसके बावजूद कुल संख्या बढ़ना इस बात का संकेत है कि नए जुड़ने वाले मतदाता ज्यादा हैं।जेंडर रेशियो में सुधार आंकड़ों के अनुसार युवा मतदाताओं की भागीदारी भी बढ़ी है। जिले में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 49,119 नए मतदाता शामिल हुए हैं। वहीं 85 वर्ष से अधिक उम्र के 15,360 वरिष्ठ मतदाता और 32,546 दिव्यांग मतदाता भी सूची में दर्ज हैं। जेंडर रेशियो में भी सुधार हुआ है, जो पहले 804 था और अब बढ़कर 824 हो गया है, यानी महिलाओं की भागीदारी में इजाफा हुआ है। विधानसभा वार आंकड़ों पर नजर डालें तो इलाहाबाद पश्चिम में सबसे ज्यादा 3,67,256 मतदाता हैं, जबकि इलाहाबाद उत्तर में सबसे कम 2,82,901 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा फाफामऊ, सोरांव, फूलपुर, प्रतापपुर, हंडिया, मेजा, करछना, इलाहाबाद दक्षिण, बारा और कोरांव क्षेत्रों में भी लाखों की संख्या में मतदाता पंजीकृत हैं। जिला प्रशासन के अनुसार अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची का निरीक्षण जिला निर्वाचन कार्यालय, संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन कार्यालयों और सभी मतदान केंद्रों पर किया जा सकता है। इसके साथ ही नागरिक ऑनलाइन माध्यम से भी अपना नाम जांच सकते हैं।प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सूची में अपना नाम जरूर सत्यापित कर लें, ताकि मतदान के समय किसी तरह की परेशानी न हो।

सहायक अध्यापक बने शिक्षामित्रों पर निर्णय लें

हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को दो माह का समय दिया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को पुरानी पेंशन का विकल्प भरने वाले शिक्षामित्र से सहायक अध्यापक बने याचियों की पेंशन के मामले में दो माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने अनूप कुमार सिंह व अन्य की याचिका सुनवाई करते हुए दिया है। सुनवाई के दौरान याचियों की ओर से दलील दी गई कि सरकार के 28 जून 2024 एवं 30 जुलाई 2025 के शासनादेशों के तहत पुरानी पेंशन के लिए विकल्प पत्र दिया गया है और याचियों का दावा संबंधित अधिकारियों के पास लंबित है लेकिन उस पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा फैसला लें

सरकारी वकील ने याचियों की मांग पर कोई आपत्ति नहीं जताई। कोर्ट ने तथ्यों और पक्षकारों की दलीलों को सुनने के बाद याचिका का निस्तारण करते हुए उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को याचियों के दावे पर नियमानुसार विचार कर उन्हें सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान करते हुए दो माह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि वर्ष 2005 तक चयनित ऐसे शिक्षा मित्र जो बाद की सीधी भर्तियों में अध्यापक बन गए हैं, उन्होंने पुरानी पेंशन के लिए विकल्प पत्र भरा है जिस पर शासन को निर्णय लेना है।

टूरिस्ट बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर

हेलमेट पहनने से बची जान, अस्पताल में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, लालकुर्ती थाना क्षेत्र के गांधीबाग इलाके में एक तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। यह हादसा तब हुआ जब युवक मुजफ्फरनगर की ओर से मेरठ आ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बस के अगले पहिए के नीचे फंस गई और युवक सड़क पर दूर जा गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह दुर्घटना बस चालक की लापरवाही के कारण हुई। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल युवक के लिए एंबुलेंस बुलाई। युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट नहीं आई और उसकी जान बच गई। हालांकि, शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। लालकुर्ती थाना पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उसका इलाज जारी है। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पाई है और पुलिस उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है और अधिकारियों ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

दुकानों की सीलिंग देखकर कारोबारी को हार्टअटैक

मेरठ में महिला फूट-फूटकर रोई; व्यापारी बोले- अफसरों की बेईमानी ने मार दिया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट की सीलिंग को लेकर दूसरे दिन भी हंगामा हुआ। अफसर सीलिंग करने पहुंचे तो नाराज कारोबारी सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान एक कारोबारी को हार्टअटैक आ गया। साथी कारोबारी उन्हें टांगकर एम्बुलेंस तक ले गए। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुकानों को सील होता देखकर महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं। एक कारोबारी ने कहा- सरकार ने हमें मार दिया। आवास विकास के अधिकारियों ने बेईमानी की। हमें गुमराह किया। 70 करोड़ रुपए वसूलने के बाद भी हमारे प्रतिष्ठानों को सील किया जा रहा । इधर, हंगामे की सूचना पर सपा नेता जीतू नागपाल पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस पर अऊट सिटी ब्रजेश सिंह भड़क गए। कहा- राजनीति अपने घर जाकर करना। यहां बात करनी है, तो व्यापारियों की करो। राजनीति करोगे, तो जेल भेज दूंगा। इस पर सपा नेता ने कहा- हम भी व्यापारी हैं। व्यापारी हित की ही बात करने आए हैं।दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने शास्त्रीनगर की सेंट्रल मार्केट में 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया है। शाम कारोबारियों को लिखित रूप में आदेश मिला। बुधवार सुबह आवास विकास परिषद की 7 टीमों ने सुधा हॉस्पिटल से सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था- किस आधार पर ध्वस्तीकरण रोकने का आदेश दिया सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (6 अप्रैल) को मेरठ के पूर्व कमिश्नर हृषिकेश भास्कर यशोद और आवास विकास के चेयरमैन पी. गुरुप्रसाद को तलब किया था। दोनों को जमकर फटकार लगाई थी कोर्ट ने पूर्व कमिश्नर से पूछा- किस आधार पर आपने ध्वस्तीकरण को रोकने का आदेश दिया। पूर्व कमिश्नर की तरफ से बताया गया कि कोर्ट के आदेश की तामील यानी दुकान 661/6 के ध्वस्तीकरण के बाद कारोबारियों की बैठक बुलाई थी। बैठक के कुछ मिनट्स तैयार किए गए थे। ये सुझाव थे, आदेश नहीं। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इसे आप मिनट्स कहते हैं।

जनगणना 2027 की तैयारियां

डीएम ने विभागों को कर्मचारियों की सूची तत्काल देने के निर्देश दिए

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी डॉ. वी. के. सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें सभी विभागों को अपने कर्मचारियों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जनगणना का पहला चरण (मकान सूचीकरण और मकानों की गणना) 22 मई से 20 जून 20026 तक चलेगा। स्वगणना 7 मई से 21 मई 2026 तक होगी। दूसरा चरण (जनसंख्या गणना) 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस बार जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। नागरिकों को पहली बार स्वगणना का विकल्प भी मिलेगा, जिससे वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जनगणना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू हो गया है। 120 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। ये ट्रेनर 16 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक कुल 7,516 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन करने पर जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जनपद का कोई भी क्षेत्र मकान गणना से वंचित न रहे। बैठक में जिला जनगणना के समस्त अपर जिलाधिकारी, उप जनगणना अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारीगण और जनगणना निदेशालय के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाकियू (अनाज) ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

किसानों, मजदूरों की समस्याओं पर प्रदर्शन, प्रीपेड मीटर पर रोक की मांग

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , भारतीय किसान यूनियन (अनाज) के पदाधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, किसान और मजदूरों की समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन शर्मा और जिलाध्यक्ष दक्ष नागर मथुरापुर के नेतृत्व में दिया गया।किसानों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिना सही जानकारी और सहमति के प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। कई ग्रामीणों के पास स्मार्टफोन नहीं होने के कारण वे बिजली बिल देखने और जमा करने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी शिकायत की कि बिना सूचना के बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, और बिल जमा करने के बाद भी कई दिनों तक बिजली चालू नहीं होती, जिससे पानी और बिजली दोनों की समस्या खड़ी हो जाती है। संगठन ने मांग की कि बिना सहमति के प्रीपेड मीटर लगाने पर तत्काल रोक लगाई जाए और उपभोक्ताओं को पहले पूरी जानकारी दी जाए। इसके अतिरिक्त, निजी स्कूलों द्वारा किताब, ड्रेस, एडमिशन फीस, डेवलपमेंट चार्ज और अन्य शुल्कों के नाम पर अत्यधिक पैसे लिए जाने का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों का कहना था कि बढ़ती फीस के कारण गरीब और मजदूर परिवार अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दिला पा रहे हैं। संगठन ने प्रशासन से निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की, ताकि गरीब परिवारों के बच्चे भी शिक्षा प्राप्त कर सकें।किसानों ने बेमौसम बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजे की भी मांग की। साथ ही, शादी-विवाह के समय गैस सिलेंडर की कमी की समस्या को देखते हुए पर्याप्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।ग्रामीण क्षेत्र में चल रही अवैध फैक्ट्रियों से फैल रहे प्रदूषण पर भी संगठन ने नाराजगी व्यक्त की और इन फैक्ट्रियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान संगठन के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान व युवा मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं के जल्द समाधान की अपील की।

स्कूल बस पलटी, बच्चे चिल्ला-चिलाकर रोए

शीशा तोड़कर 35 बच्चों को निकाला; बोले- ड्राइवर अंकल मोबाइल देख रहे थे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ।35 स्कूली बच्चों से भरी स्कूली बस सुबह साढ़े सात बजे सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। कई बच्चे सीटों के बीच फंसे हुए थे। घायल बच्चों को बाइक और एंबुलेंस से एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादातर बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। बस सेंट मैरी एकेडमी की थी। हादसा काली नदी के पास सड़क पर हुआ। बस में बच्चों के बैग और किताबें बिखरी नजर आईं। हादसे के बाद बच्चे घबरा गए। जोर-जोर से रोने लगे आसपास के लोगों ने बच्चों को किसी तरह शांत कराया। परिजनों को सूचना दी। कई अभिभावक अस्पताल और स्कूल पहुंच गए। प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया और नारेबाजी की। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद ड्राइवर भाग गया है। जल्द ही उसके पकड़ा जाएगा। क्रेन बुलाकर बस को खाई से निकलवाया गया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

परिजन ने थाने में शिकायत की, कहा- शराब पीकर बस चला रहा था ड्राइवर

चिंदौड़ी के रहने वाले पैरेंट्स राहुल कौशिक ने दौराला थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में उन्होंने कहा- बुधवार सुबह साढ़े सात बजे सेंट मैरी एकेडमी की स्कूल बस चिंदौड़ी, चरला और लावड़ के पढ़ने वाले बच्चों को लेकर स्कूल आ रही थी। बस लावड़ का रहने वाला रूमान नाम का ड्राइवर चला रहा था। वह शराब के नशे में बहुत तेज और लापरवाही से बस चला रहा था। ड्राइवर की लापरवाही से बस अझौता मोड़ पर खाई (सड़क किनारे के गड्ढे) में पलट गई। हमें बस पलटने की जानकारी मिली तो हमने स्कूल प्रशासन को बताया, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। वाहनों की फिटनेस खत्म होने के बाद भी स्कूल प्रशासन लापरवाही बरत रहा है। बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रहा है।

स्कूल बोला- ट्रक को बचाने में बस पलटी

सेंट मैरी एकेडमी के मैनेजमेंट से जुड़े संजय ने बताया- चिंदौड़ी से बच्चे लेकर बस आ रही थी। बता रहे हैं कि ट्रक की टक्कर से बचने के चक्कर में ड्राइवर बस को रॉन्ग साइड ले गया। इसके चलते बस पटल गई। फिलहाल, हम जांच करा रहे हैं।सरसवा के रहने वाले बच्चे के परिजन सतेंद्र चौधरी ने बताया कि लावड़ की ओर से बस आ रही थी। बच्चे ने उन्हें बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर मोबाइल देख रहा था। इसी दौरान बस बेकाबू हो गई और पलट गई एक अन्य पैरेंट्स ने कहा- जो भी अधिकारी स्कूल का निरीक्षण करके गया।

गड्ढे में डूबने से छात्र की मौत

एग्जाम खत्म होने के बाद दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था, गहरे पानी में डूबा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक छात्र की मौत हो गई। छात्र अपने तीन दोस्तों के साथ एग्जाम खत्म होने के बाद पिकनिक मनाने गया था। चारों पानी से भरे गड्ढे में नहा रहे थे। इसी दौरान एक छात्र अचानक गहराई में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे बचा नहीं सके। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से छात्र को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। घटना सेक्टर-94 थाना क्षेत्र में बुधवार शाम को हुई। एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्रडीसीपी साद मियां खान ने बताया- गाजियाबाद का रहने वाला हर्षित भट् ?ट (23) एमिटी यूनिवर्सिटी से बेचजर ऑफ फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई कर रहा था। उसका 6 सेमेस्टर चल रहा था आज एग्जाम खत्म होने के बाद वह अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। नहाते समय उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में मामला डूबने से मौत का मामला लग रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

हर 15 मिनट पर मिलेगी इलेक्ट्रिक बस

जेवर एयरपोर्ट, ग्रेनो वेस्ट तक जाएंगी; 2 लाख लोगों को राहत

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , 2 लाख लोगों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। ये कनेक्टिविटी उनको फीडर बस के जरिए मिलेगी। इसकी शुरूआत मई से होने जा रही है। हालांकि प्रयास यही था कि नोएडा स्थापना दिवस पर ही इसका शुभारंभ किया जाए। लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं होने से इसमें बाधा आ रही है। जो रूट फाइल किए जा रहे है। उसमें नोएडा एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी और ग्रेनो वेस्ट को जोड़ा गया है। ये सभी रूट मेट्रो स्टेशन से होकर जाएंगे। इन पर 15-15 मिनट के अंतराल पर बस मिलेंगी। कुल 45 बस चलेंगी 5 स्टैंड बाइ पर रहेंगी। यहां लास्ट माइल कनेक्टिविटी का मतलब फीडर बसों से है। 9 और 12 मीटर की दो प्रकार की करीब 50 बस पहले फेज में चलेंगी। इनका संचालन यूपी रोडवेज करेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर यानी बसो के खड़े होने के लिए डिपो, चार्जिंग पाइंट (सभी ईवी बस), सर्विस सेंटर, ड्राइवर और कंडेक्टर के लिए आराम करने की जगह और ऑफिस स्टॉफ के लिए कमरे। सेक्टर-90 नोएडा डिपो में इन बसो को खड़ा किया जाएगा। यहां एक इमारत बनी हुई है। उसकी मरम्मत की जाएगी। पहले इसी डिपो से एनएमआरसी की सिटी बस ऑपरेट होती थी। इसी को मेन डिपो बनाया जाएगा। यहां से बसों का संचालन होगा। प्राधिकरण देगा वीजीएफ बसों के संचालन की जिम्मेदारी यूपी रोडवेज की होगी। मेंटेनेंस भी वहीं करेगा।

रेटर नोएडा में 25 हजार इनामी गौ-तस्कर मुठभेड़ में गिरफ्तार

पैर में गोली लगने से घायल, तमंचा और चोरी की बाइक बरामद

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , रबूपुरा थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और 25 हजार रुपये के इनामी गौ तस्कर के बीच मुठभेड़ हुई। जवाबी कार्रवाई में आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार, कार्गो टी-प्वाइंट पर देर रात संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया। खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। घायल आरोपी की पहचान संजू उर्फ लुक्का पुत्र रुक्का के रूप में हुई है

मेधा ने सौंपा ज्ञापनः ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय के विरूद्ध दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

अमन लेखनी समाचार

बस्ती :- बुधवार को मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय पर तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक बजाने और कोविड 19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने की धारा में दर्ज एफआईआर को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय। ज्ञापन देने के बाद मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी ने कहा कि जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती राजकीय इण्टर कालेज के मैदान में गत 29 मार्च को सनातन धर्म संवाद कार्यक्रम में आये थे। इसका संयोजन राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान न ही प्रशासन और आम जनमानस को कोई परेशानी नहीं हुई न ही किसी की भावना आहत हुआ, परन्तु कई दिन बीत जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम आयोजक प्रशान्त पाण्डेय पर तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक बजाने और कोविड 19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने की धारा में एफआईआर दर्ज कराया गया जो बेबुनियाद हैं। यह मुकदमा पूरी तरह दुर्भावनापूर्ण तरीके से दर्ज कराया गया है। कहा कि जन भावना को ध्यान रखते हुए तत्काल पंजीकृत मुकदमा वापस लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान किया जाय,जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था न प्रभावित होने पाये। ज्ञापन देने वालों में उमेश पाण्डेय मुन्ना, सन्तोष शुक्ल, अनिल मिश्रा, नवीन दूबे, दिनेश त्रिपाठी, अंकित पाण्डेय, कार्तिकेय त्रिपाठी, अनुपम शुक्ल, मनीष पाण्डेय, आकाश पाण्डेय, नागेन्द्र मिश्र, दीपक पाण्डेय, प्रतीक मिश्र, रामरीका पाण्डेय, राहुल तिवारी, उदय पाण्डेय, रामकृष्ण मोनू दूबे, राममणि पाण्डेय, जगदम्बा पाण्डेय, स्वप्निल मिश्र, करन शुक्ल, आनन्द मिश्र, वृहस्पतिमणि त्रिपाठी, साकेत पाण्डेय, उत्कर्ष त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

अज्ञात करणों के चलते दस बीघा फसल जलकर राख, किसानों को भारी नुकसान

तेज हवा से भड़की आग, ग्रामीणों की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। कासिमपुर क्षेत्र के बिन्दौरा गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। आग की इस घटना में करीब 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मांडर निवासी किसान राजकुमार सिंह, कल्लू, मुन्ना, राकेश, इरफान सहित अन्य किसानों के खेतों में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया, लेकिन तब तक कई बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जल चुकी थी। पीड़ित किसानों का कहना है कि वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे थे, और अब इस आगजनी की घटना ने उनकी आर्थिक स्थिति को और अधिक कमजोर कर दिया है। किसानों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग लगने के कारणों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत प्रदान करने की मांग की है।

निराश्रित/बेसहारा गौवंश सहभागिता योजना न केवल संरक्षण में सहायक है बल्कि गौ पालकों की आय वृद्धि में निभा रही है महत्वपूर्ण भूमिका -उपाध्यक्ष गौ सेवा आयोग

अमन लेखनी समाचार

निराश्रित एवं असहाय गौवंश संरक्षण, संवर्धन व समुचित देखभाल के लिए संचालित बहुआयामी योजनाओं का का प्रदेश भर में सकारात्मक परिणाम

मीरजापुर 09 अप्रैल 2026- राज्य गौ सेवा आयोग के मा0 उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल एवं मा0 सदस्य दीपक गोयल ने अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान जनपद के विभिन्न गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षणोपरान्त के पश्चात भ्रमण के दूसरे दिन आज अष्टभुजा निरीक्षण गृह में प्रेस प्रतिनिधियो से वार्ता कर गो आश्रय स्थलों की स्थिति सुधारात्मक कार्य योजना व योजनाओ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रेसवार्ता ने उन्होंने कहा कि भारत माता से प्रेम करने वाले लोगों को लंबे समय से प्रयास था कि इस धरती पर गोवध बंद होना चाहिए इसी क्रम में वर्ष 2013 में हमारी सरकार ने एक मुहिम चलाई थी और वर्ष 2017 में जगह-जगह पर सुझाव पट्टिकाएं लगाई गई थी और देश प्रदेश के लोगों से उनके सुझाव मांगे गए थे लोगों के द्वारा अलग-अलग अपना मत दिया गया किंतु बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने मांग किया कि आने वाली सरकार गोवध पर प्रतिबंध लगाए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए देश में कार्य हो क्योंकि सुख और समृद्धि का रास्ता पशुपालन और गोपालन के माध्यम से ही खुलता है जब प्रदेश की जनता ने हमारी सरकार को आशीर्वाद प्रदान किया और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया तो उन्होंने किसानो की आय को दुगना करने के लिए पूर्व के कर्ज को माफ किया और प्रदेश की जनता ने सबसे बड़ी मांग किया था कि उत्तर प्रदेश में गाय माता की रक्षा हो और उनका वध बंद होना चाहिए, ऐसे में उन्होंने सभी स्लाटर हाउस को बंद करवाया और शत प्रतिशत उत्तर प्रदेश में गोवध को बंद कराया। सनातन संस्कृति में गौ सेवक, भारत की आत्मा किसानों के बाद गौ पालन करते हुए भारतीय संस्कृति को समृद्धि बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री जी ने अधिनियम धारा 1955 (5ख) में संशोधन करते हुए उत्तर प्रदेश में गाय के साथ संवेदनहीनता, क्रूरता ना हो सके ऐसे में उन्होंने उत्तर प्रदेश की महान जनता से निवेदन किया कि गौ माता के संवर्धन में उनकी सुरक्षा में समाज आगे आए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जो निवेदन किया था उसमें बहुत से लोगों ने अपना योगदान भी दिया किंतु जो सरकार की मंशा है की गौ माता के सम्मान में सरकार ने निर्णय लिया है उसमें समाज के प्रत्येक वर्ग किसी निर्णय के साथ ईमानदारी के साथ नहीं खड़े होंगे तो कोई भी सरकार हो किंतु परिणाम तब तक नहीं आता है जब तक समाज का हर व्यक्ति अपना सहयोग प्रदान नहीं करेगा अतएव आप सभी को भी आगे आने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के यशस्वी एवं लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथजी के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में उ०प्र० सरकार श्गौ सेवाश को केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय, सामाजिक एवं आध्यात्मिक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करते हुए सतत कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा निराश्रित एवं असहाय गोवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित देखभाल के लिए व्यापक एवं बहु आयामी योजनाएं संचालित की जा रही है, जिनके सकारात्मक परिणाम प्रदेशभर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे है। उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहा निराश्रित गोवंश के भरण पोषण के लिए सरकार द्वारा 50 की दर से भरण पोषण की धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी गौ संरक्षण नीति के अन्तर्गत वर्तमान में राज्य के विभिन्न जनपदों में 7,700 से अधिक गो-आश्रय स्थल सक्रिय रूप से संचालित हो रहे है। इन आश्रय स्थलों में 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आवास, नियमित आहार, स्वच्छ पेयजल तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। यह व्यवस्था न केवल गोवंश के संरक्षण को सुनिश्चित कर रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक संतुलन को भी सुदृढ़ कर रही है। गौशालाओं के प्रभावी संचालन एवं परदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 5,446 गौशालाओं में 7,592 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गये हैं। अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली 24ग्7 कार्यरत रहकर गोवंश की सुरक्षा, देखभाल की गुणवत्ता तथा प्रशासनिक जवाबदेही को सुनिश्चित कर रही है। मा० मुख्यमंत्री जी निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजनाश के माध्यम से सरकार ने गौ-संरक्षण को जन आंदोलन का रूप प्रदान किया है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक 1,67,066 गोवंश इच्छुक एवं जिम्मेदार गोपालकों को सुपुर्द किए गये हैं। सरकार द्वारा प्रत्येक गोवंश के लिए 50रू0 प्रतिदिन की दर से पोषण भत्ता सीधे गोपालको के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रेषित किया जा रहा है। यह पहल न केवल गोवंश के संरक्षण में सहायक है, बल्कि गोपालकों की आय वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जनपद मीरजापुर में जिला प्रशासन द्वारा गौ संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में जनपद में 49 गौ-आश्रय स्थल क्रियाशील है, जिनमें 14,575 गोवंश का संरक्षण एवं पालन-पोषण कियः जा रहा है। इसके अतिरिक्त 518 प्रगतिशील गोपालकों ने सहभागिता योजना के अन्तर्गत 1645 गोवंश को अपनाकर सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश सरकार उ०प्र० गोवध निवारण अधिनियम 1955 के अन्तर्गत गोवंश के सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जीरो टॉलरेंस नीतिः गोवंश संरक्षण से सम्बन्धित नियमों के उल्लंघन पर त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कि जा रही है। कुछ आसामाजिक एवं निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा फैलाए जा रहे भानक प्रचार का खण्डन करते हुए उपाध्यक्ष गोसेवा आयोग श्री महेश शुक्ल जी के द्वारा बताया गया कि गोसेवा के पदाधिकारियों के द्वारा गोआश्रय स्थलों का नियमित भ्रमण करतें हुये निरन्तर पैनी निगाह रखी जा रही है और कोई भी अनियमितता प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इस समय कतिपय वेशधारी छदमधर्म प्रचारकों के द्वारा भ्रामक सूचनायें फैलाकर जनमानस को भ्रमित करने का जुतसित प्रयास किया जा रहा है। मा० मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि निराश्रित की सेवा एवं संरक्षण के लिए कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार गौ वंश के प्रति अपनी संवेदनशील मानवीय एवं समर्पित दृष्टि के साथ सुशासन के सिद्धांतो को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

खास समाचार

कुंदौली गांव के पास दर्दनाक सड़क हादसा, चाचा-भतीजे की मौत

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। कोतवाली शहर क्षेत्र के अंतर्गत कुंदौली गांव के पास गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दरवेशपुर गांव निवासी 22 वर्षीय संजेश अपने 19 वर्षीय भतीजे शिवम कुमार के साथ बाइक से सधई बेहटा स्थित दर्जी के यहां कपड़े लेने जा रहे थे। रात के समय जब दोनों कुंदौली गांव के समीप पहुंचे, तभी अचानक तेज रफ्तार से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में लोग मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है। क्षेत्र में इस दर्दनाक हादसे को लेकर लोगों में आक्रोश और दुख दोनों व्याप्त है।

शहर को जाम से मिलेगी राहतः निजी बस अड्डे शहर से बाहर होंगे शिफ्ट

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और रोजाना लगने वाले जाम से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर शहर के अंदर संचालित सभी प्राइवेट बस अड्डों को अब शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा इस योजना के तहत विभिन्न प्रमुख मार्गों पर बस अड्डों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर दिए गए हैं। इन चिन्हित स्थानों पर भूमि समतलीकरण (मिट्टी भराई) का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है, जिससे जल्द ही बस संचालन नए स्थानों से शुरू किया जा सके। बताया जा रहा है कि इस निर्णय के बाद शहर के प्रमुख मार्गों पर लगने वाले जाम में काफी कमी आएगी और यातायात व्यवस्था सुचारू होगी। साथ ही, यात्रियों को भी व्यवस्थित और सुरक्षित बस स्टैंड की सुविधा मिल सकेगी। शहर से बाहर स्थानांतरित किए जाने वाले प्रमुख मार्गों में हरदोई-लखनऊ, सांडी, हरपालपुर, बिलग्राम, सीतापुर, शाहजहांपुर तथा पिहानी रूट शामिल हैं। इन सभी रूटों पर संचालित निजी बस अड्डों को नए निर्धारित स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाए, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द जाम की समस्या से राहत मिल सके।

भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर जोरदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई। थाना क्षेत्र के कुरसठ बुजुर्ग देहात में पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता संदीप पाण्डेय व समाजसेवी अभिषेक पटेल के नेतृत्व में परौली सई नदी पुल पर पिछले ग्यारह दिनों से धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। भूमि पैमाइश व कब्जा मिलने के बाद धरना स्थगित हुआ। शुक्रवार को एसडीएम बिलग्राम एन राम, नायब तहसीलदार अनेक सिंह, कानुनगो शिवसिंह, कानुनगो अहिबरनलाल, लेखपाल कपिल, लेखपाल नीरज अस्थाना, क्षेत्रीय लेखपाल जमाल अहमद राजस्व टीम ने धरना स्थल पर पहुंचकर गांव के रामस्वरूप पुत्र छुट्टा, अशोक पुत्र रामखेलावन, फकीरे पुत्र मटरे, बाबू पुत्र महादीन, तिलक पुत्र बेचेलाल सहित छः पट्टे धारकों को पैमाइश कराकर मेडबंदी कराकर कब्जा दिलाया गया। सभी पट्टे धारकों खुश नजर आए। भाकियू इंडिया जिलाध्यक्ष रेखा दीक्षित, अखिल भारतीय किसान महासभा उत्तर प्रदेश संयोजक ओमप्रकाश, किसान अधिकार पंचायत जिला संयोजक देवीचरण पटेल ने भी साथ रहे। एसडीएम बिलग्राम ने पुलिस को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के द्वारा यदि पट्टे धारकों को परेशान किया जाए तो तत्काल कार्रवाई करें।

अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, पुतला दहन को लेकर पुलिस से झड़प

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा द्वारा राहुल गांधी पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को हरदोई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन करने की कोशिश की, पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए पुतलों को छीन लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की छीना-झपटी भी हुई, जिससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि पुलिस की सख्ती के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता आंशिक रूप से पुतला जलाने में सफल रहे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे घटनाक्रम के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, लेकिन पुलिस की सतर्कता से स्थिति नियंत्रण में रही। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे के साथ कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मुख्यमंत्री के बयान की निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग की। अनुपम दीक्षित शहर अध्यक्ष महिला मोर्चे के अध्यक्ष सुनीता देवी मोहन हसन अहमद कुमार राजवंशी डॉक्टर राजीव तुषार दीक्षित समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे

जनपद की सभी चक मार्ग का लेखा-जोखा राजस्व विभाग के पास

किसान लड़ मरता है लेकिन कब्जे वाली चक रोडें नहीं हो रही खाली

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। जनपद में चार तहसीलें हैं जिनके पास सारी जमीन का रिकॉर्ड होता है और उन्ही के द्वारा चकबंदी प्रक्रिया में चकरोड नाली सेक्टर निकाले जाते हैं। चारों तहसीलों में अभी भी कई जीएस मार्गों पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। चकबंदी प्रक्रिया में किस की ही जमीन से यह सब निकाले जाते हैं और फिर किसान अपने खेत तक ट्रैक्टर लाने के लिए मजबूर होता है और राजस्व विभाग में एप्लीकेशन देने के बाद भी उसे कई वर्षों तक लड़ाई में झोंक दिया जाता है और चक मार्ग नहीं खाली होते। ग्रामीण अंचलों की चक रोडें विकास का रास्ता होती हैं लेकिन आज तक 20 वर्ष हो गए 25% चक मार्ग रुके पड़े हैं। राजस्व विभाग के लेख पाल को चक मार्गों की पूरी जानकारी होती है लेकिन वह कभी कोशिश नहीं करता कि हम जाकर के शासन द्वारा खुलवा दें वह लोगों का इंतजार करता रहता है जब लोग एप्लीकेशन लेकर जाते हैं तो चक मार्ग को नापने में पहले कई किसानों को हदबंदी से गुजरना पड़ता है चक मार्ग निकले चाहे ना निकले नक्शे में ही बनी रह जाती हैं। चकबंदी के 22 वर्ष बाद आज भी मऊ, राजापुर, कर्वी, मानिकपुर तहसीलों में कुछ चक मार्ग व संपर्क मार्ग पर किसानों ने कब्जा कर रखा है लेकिन प्रशासन कोई ऐसी एक मुस्त प्रक्रिया नहीं चलाता जिससे जिले के किसानों का विकास हो और वह अपने खेत तक ट्रैक्टर ले जाने में आजाद हो। अब किसानों को नए जिला अधिकारी पुलकित गर्ग से आशा है कि यदि उनका ध्यान कब्जे वाले चक मार्ग पर गया तो वह खुलवाने में देरी नहीं करेंगे। जब बड़ी-बड़ी रोड विकास के लिए बनती है तो अतिक्रमण में राजस्व विभाग ही जाकर तुड़वाता है और यदि गांव के किसानों के चक रोडें जाम है तो किसान अधिकार वाली गालियां क्यों नहीं खुल रही हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा राहुल गांधी पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन

अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, पुतला दहन को लेकर पुलिस से झड़प

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा राहुल गांधी की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को हरदोई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन करने की कोशिश की, पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए पुतलों को छीन लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की छीना-झपटी भी हुई, जिससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि पुलिस की सख्ती के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता आंशिक रूप से पुतला जलाने में सफल रहे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे घटनाक्रम के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, लेकिन पुलिस की सतर्कता से स्थिति नियंत्रण में रही। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे के साथ कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मुख्यमंत्री के बयान की निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग की।

एक्शन मूड में कप्तान : अपराधों में लिप्त अपराधी दना दन भेजे जा रहे जेल

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली/जिले के पुलिस कप्तान रवीश कुमार एक्शन मूड में दिख रहे हैं क्योंकि जनपद के विभिन्न थानों में तैनात थानेदारों की ऐसी लगाम खींची है कि अपराधियों को ढूंढ ढूंढ कर पुलिस सलाखों के पीछे भेज रही वर्षो से पुराने मुकदमे में वांछित एवं धीमी विवेचना जैसे मामलों में कप्तान ने कडा रुख अपनाया है जिले का बड़ा मामला 2025 में बैंक से लोन फर्जी दस्तावेज घोटाला में महिला समेत करीब 48 लोगों पर बैंक की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसमें आरोपियो की गैर जनपदों होने की सम्भावना जताई गई थी सूत्रों की माने तो किसी के दबाव के चलते पुलिस उनपर हाथ डालने से कतरा रही थी और अपराधी खुले आम घूम रहे थे यही नहीं जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज अपराधिक मामलों में भी यही हाव भाव देखने और सुनने को मिलता रहा लेकिन उक्त पुलिस अधीक्षक ने इन मुद्दों पर इस समय कडा रूख लिया और थानेदारों की क्लास लगाई जिसके बाद अपराधी दना दन गिरफ्तार होने लगे ताकि गांव और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे बैंक में फर्जी दस्तावेज लगाकर लोन मामला नौ अप्रैल को पुलिस अधीक्षक द्वारा कॉन्फ्रेंस के द्वारा बताया गया कि अपराधियों पर करीब आधा दर्जन से ज्यादा गम्भीर धाराओं में 48 लोगों पर मुकदमा दर्ज है और नौ अप्रैल को लालगंज रोड पर राणा नगर कब्रिस्तान के पास से थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा पांच आरोपियों को पकड़ा गया जिसमें राजेश सिंह पुत्र छेदा सिंह, बबलू राठौर पुत्र श्री राम रतन राठौर, गोपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय महेश सिंह ,राधिका देवी पत्नी गोपाल सिंह कामिनी राठौर पत्नी बबलू राठौर को गिरफ्तार किया गया दर्ज मुकदमे के अलावा इन लोगों पर अन्य धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए कार्यवाही की गई है पुलिस की मानें तो पूछताछ से पता चला कि अभियुक्त द्वारा अपने जानकार नजदीकी एवं रिश्तेदार के खाते में रायबरेली बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा में खाता ट्रांसफर व नए खाते खुलवाए जाते थे तथा उन लोगों के आधार पर पता बदलवा देते थे गोपाल ने मिलकर अपनी पत्नी राधिका के नाम से यूको बैंक में ट्रेजर के नाम से खाता खुलवाया उसी से फर्जी सैलरी स्लिप दिखाकर तथा फर्जी नियुक्ति पत्र के दस्तावेज लगाकर इन खातों पर पर्सनल लोन कराया राजेश ने यूको बैंक में रायबरेली ट्रेजर के नाम से खाता खुलवाकर उसी से फर्जी सैलरी स्लिप दिखाकर तथा फर्जी नियुक्ति पत्र के दस्तावेज लगाकर इन खातों पर पर्सनल लोन कराया गया बबलू राठौर व कामिनी राठौर जो कि पति पत्नी के द्वारा फर्जी सैलरी स्लिप और फर्जी नियुक्ति पत्र और आधार कार्ड पर पता बदलवाक 38 लाख 90 हजार का पर्सनल लोन लिया गया

गांव विकास की पोल खोल जांच बनी लोकायुक्त के सामने खुली जंग

प्रधान बनाम ग्रामीण आमने-सामने

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील क्षेत्रांतर्गत विकास खंड टोडरपुर की ग्राम पंचायत नगरिया में लोकायुक्त जांच उस वक्त सुर्खियों में आ गई जब विकास की हकीकत खुद मौके पर सवालों के घेरे में नजर आई। शिकायतकर्ता अम्बरीष द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने पहुंची टीम के सामने ही ग्राम प्रधान अमित गुप्ता और ग्रामीणों के बीच ऐसा माहौल बना, मानो पंचायत नहीं, कोई अखाड़ा चल रहा हो। दरअसल, इस जांच की कहानी भी किसी फिल्मी स्किप्ट से कम नहीं रही पहले फरवरी में जांच तय हुई, फिर मार्च में तारीख आई, लेकिन हर बार अधिकारी नहीं पहुंचे। आखिरकार जब जांच टीम गांव पहुंची तो लोगो को उम्मीद थी कि सच्चाई सामने आएगी, लेकिन सच्चाई के साथ साथ विवाद भी खुलकर सामने आ गया। जांच के दौरान बार-बार तीखी नोकझोंक देखने को मिली। प्रधान पक्ष और शिकायतकर्ता एक-दूसरे पर आरोपों की बौछार करते रहे। अधिकारियों को कई बार हस्तक्षेप कर माहौल शांत कराना पड़ा और सभी से सहयोग की अपील करनी पड़ी। जब 'विकास' की परतें खुली जांच में जो तस्वीर सामने आई, उसने कई सवाल खडे कर दिए। ग्रामीणों के लिए गर्मी में ठंडा पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाया गया फीजर प्रधान के निजी परिसर में पाया गया, जहां आम ग्रामीणों की पहुंच आसान नहीं थी। वहीं पंचायत भवन की हालत खुद अपनी कहानी बयां कर रही थी दीवारों से उखड़ता प्लास्टर, जगह जगह दरारें, कमजोर लिंटर ऐसा लग रहा था मानो भवन नहीं, भ्रष्टचार का नमूना खड़ा हो। जिस जगह से गांव के विकास की शुरूआत होती है, वहीं अगर हालात ऐसे हों तो बाकी गांव का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। अमित गुप्ता ने अपने 5 साल के कार्यकाल को सबसे ज्यादा विकास वाला बताया, लेकिन ग्रामीणों ने उसी बात को तंज में बदल दिया-विकास हुआ है, लेकिन गांव का नहीं, अपना जरूर हुआ है। जांच खत्म, विवाद शुरू- जैसे ही जांच टीम मौके से रवाना हुई, हालात फिर बिगड़ गए। दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज और धमकियों का दौर शुरू हो गया। माहौल इतना गरमा गया कि समर्थकों के साथ दोनों पक्ष अलग-अलग दिशा में निकल गार, लेकिन पीछे छोड़ गए कई बड़े सवाल। बड़ा सवाल यही है जब पंचायत भवन खुद बदहाल हो, सुविधाएं निजी परिसरों में सिमट जाएं और जांच के दौरान ही हंगामा हो जाए तो आखिर गांव के विकास की असली तस्वीर क्या होगी? यह सवाल अब नगरिया ही नहीं, पूरे क्षेत्र में गूंज रहा है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

शैल को स्कूल जाते समय गिलहरी का एक प्यारा-सा बच्चा मिल गया। वह उसे अपने साथ स्कूल ले आया। क्लास के बच्चों ने जब ए, बी, सी और वन, टू, थ्री गाकर सीखा तो गिलहरी के बच्चे ने भी एल्फाबेट और काउंटिंग रट ली। इसके बाद जो हुआ, बहुत ही मजेदार रहा!

पढ़ने लगा गिलहरी का बच्चा!

गुजराती कहानी
पुष्पा अंताणी

एक गिलहरी थी। वह अपने नन्हे से बच्चे के साथ रहती थी। गिलहरी को सुबह से लेकर शाम तक दौड़ती हुई देखकर बच्चे ने उससे कहा, 'मां, तुम सारा दिन दौड़ती रहती हो, तो क्या तुम थकती नहीं हो?'

मां बोली, 'क्या करूं, बेटा! दौड़ना तो पड़ेगा ही ना! मैं यदि दौड़ूंगी नहीं, आराम से बैठी रहूंगी तो फिर हम खाएंगे क्या?'

बच्चे ने कहा, 'मां, क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद करूं?'

गिलहरी ने प्यार से जवाब दिया, 'नहीं, तुम अभी बहुत छोटे हो, पहले तुम बड़े हो जाओ, बाद में मेरी मदद करना। जाओ, अभी तो तुम बाहर जाकर खेलो।'

बच्चा खेलने के लिए बाहर दौड़ गया। वहां स्कूल जा रहे नन्हे-मुन्ने शैल की नजर एक पेड़ के तने के पास खेल रहे इस गिलहरी के बच्चे पर पड़ी। उसे वह बच्चा बहुत पसंद आ गया। वह चुपके-चुपके, लुकते-छिपते उसके पास आया ताकि गिलहरी के बच्चे को पता नहीं चले, फिर उसे पकड़ लिया। बच्चा भी बहादुर था, पर शैल ने उसे अचानक ही पकड़ा था, वह कांपने लगा। बच्चे को कांपता देखकर शैल समझ गया कि वह डर गया है। इसलिए वह बच्चे को प्यार से अपने हाथों से सहलाते हुए बोला, 'तुम मुझसे बिल्कुल डरना मत। मैं तुम्हें जरा भी परेशान नहीं करूंगा। मैं तो तुम्हारा दोस्त हूं।'

गिलहरी के बच्चे ने कहा, 'क्या तुम मेरे साथ खेलोगे?' 'हां, मैं तुम्हारे साथ जरूर खेलूंगा, पर अभी तो मैं स्कूल जा रहा हूं। तुम मेरे साथ चलोगे?' शैल ने पूछा।

गिलहरी का बच्चा शैल के साथ स्कूल जाने के लिए तैयार हो गया। शैल ने तुरंत उस बच्चे को बस्ते के अगले वाले खाने में रख दिया, उसके बाद वह स्कूल आ गया। उसका कोई दोस्त बच्चे को देखे, उससे पहले गिलहरी के बच्चे को क्लास की खिड़की के पास बैठाकर कहा, 'तुम यहीं बैठे रहना, आराम से सब कुछ देखते रहना।'

कुछ देर बाद टीचर आए। सभी बच्चों को गा-गा कर पढ़ाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फिर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' बच्चे भी उसी प्रकार ऊंची आवाज में बोलने लगे। कुछ देर बाद दूसरे टीचर आए। बच्चों को वह 'वन, टू, थ्री, फोर, फाइव' पढ़ाने लगे। बच्चे भी उसी तर्ज पर ऊंची आवाज में गाकर बोलने लगे। गिलहरी का बच्चा यह सब देख रहा था और सुन रहा था। वह भी अपने होंठ फड़फड़ा कर कुछ बोल रहा था। कुछ देर बाद इंटरवल हुआ। सभी बच्चे लंच करने लगे। कोई देख न ले, इसलिए शैल छिपता हुआ खिड़की के पास पहुंचा। उसने देखा कि गिलहरी का बच्चा बहुत खुश था। उस बच्चे को शैल ने अपने टिफिन में से कुछ खिलाया और खुद भी खाना खाया। बच्चे को बड़ा मजा आया। वह कूदने-फुदकने लगा। इससे शैल के सभी मित्रों को पता चल गया कि उनकी क्लास में गिलहरी का बच्चा आया हुआ है। सारे इकट्ठा हो गए, गिलहरी के बच्चे को खिलाने लगे। शैल ने अपने दोस्तों से कहा, 'कोई उसे तंग नहीं करना।' क्लास के सभी बच्चे मिलकर खूब खेले, मजे किए। बाद में पढ़ने के लिए बैठ गए। गिलहरी का बच्चा भी पुनः खिड़की के पास बैठ गया।

स्कूल में छुट्टी होने पर सब अपने-अपने घर जाने लगे। रास्ते में उस पेड़ के पास पहुंचने पर शैल ने गिलहरी के बच्चे से कहा, 'क्या तुम मेरे घर चलोगे?'

बच्चा बोला, 'मेरी मां, मेरा रास्ता देख रही होगी। मैं अभी तो जाऊंगा, शाम को खेलने के लिए आऊंगा।'

शैल ने कहा, 'मैं इसी जगह तुम्हारा इंतजार करूंगा।'

बच्चा तो दौड़ता हुआ अपनी मां के पास चला गया। मां ने उसे देखते ही पूछा, 'कहां था तू इतनी देर से? मुझे तेरी बहुत चिंता हो रही थी। क्या कर रहा था तू?' बच्चा मां को जवाब देने के बजाय ऊंची-ऊंची आवाज में गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

मां तो अपनी आंखें फाड़े अपने बच्चे को देखती ही रह गई। वह बोली, 'तुम यह क्या बोल रहे हो? मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा है।'

बच्चा तो फिर आगे गाने लगा, 'वनटू.थ्री.फोर फाइव., सिक्स., सेवन., ऐट., नाइन., टेन.!' यह सुनकर गिलहरी घबरा गई। उसने सोचा कि उसके बच्चे को किसी ने कुछ कर दिया है या फिर वह पगला गया है।

सभी इमेजः एआई

मां बच्चे को बगल वाले पेड़ पर रह रहे कौए के पास लेकर गई, उससे बोली, 'कौआ भाई! देखो तो मेरे बच्चे को कुछ हो गया है। मैं उसे जो कहती हूं, वह उसकी समझ में नहीं आ रहा। वह ना जाने क्या बोल रहा है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है! आप जरा देखिए तो, कुछ आपकी समझ में आ रहा है?'

कौए ने बच्चे से कहा, 'क्यों क्या हुआ है तुम्हें?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' थोड़ी सांस लेकर फिर बोलने लगा,'वनटू थ्री फोर फाइव सिक्स सेवन ऐट नाइन टेन।'

कौआ चौंका, 'अरे बाप रे! इसे तो कुछ हो गया है। पास में ही रह रहे बंदर वैद्य को दिखाओ, तब पता चलेगा इसे क्या हुआ है?' गिलहरी तुरंत बच्चे को लेकर बंदर वैद्य के पास गई। उससे बोली, 'बंदर वैद्य जी, देखिए तो मेरे बच्चे को क्या हो गया है? उसे जल्दी-जल्दी अच्छा कर दीजिए!' बंदर वैद्य ने बच्चे को जांचा। वह तो चुस्त-दुरुस्त ही था। उसने बच्चे से पूछा, 'तुम्हें क्या हुआ है?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

यह सुनकर बंदर वैद्य बोला, 'ओ मां! यह तुम क्या बोल रहे हो?'

बच्चा फिर से वही बोलने लगा, 'वन टू थ्री फोर फाइव।' बंदर चिंतित होकर बोला, 'गिलहरी, तुम्हारी बात सही है। तुम्हारे बच्चे को सच में कुछ हो गया है!'

यह सुनकर गिलहरी रोने लगी। घर लौटते हुए रास्ते में जो भी मिलता, उससे अपने बच्चे को ठीक कर देने के लिए विनती करती। ऐसा करते हुए शाम हो गई। शाम हो जाने पर शैल को गिलहरी का बच्चा दिखाई नहीं दिया, तो वह उसे खोजने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में उसे उसके दोस्त भी मिले। सब मिलकर बच्चे को खोजने लगे। बच्चा तो कहीं नजर नहीं आया। तभी गिलहरी के बच्चे की दूर से आ रही आवाज सबने सुनी।

वह गा रहा था, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट।' पहले तो किसी की समझ में नहीं आया, लेकिन बाद में शैल की समझ में आ गया कि गिलहरी का बच्चा भी आज स्कूल से ऐसा बोलना सीख कर आया है। सब खुश हो गए और नाचते-कूदते, गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

गिलहरी ने उनकी यह आवाज सुनी तो बोली, 'अरे, मेरा बच्चा भी ऐसा ही बोल रहा है!' गिलहरी के बच्चे ने भी शैल और उसके दोस्तों की आवाज सुनी तो वह दौड़कर उनके पास गया।

गिलहरी के बच्चे को देखकर सब खुशी से झूमने लगे और गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, वन टू थ्री फोर फाइव!' गिलहरी का बच्चा भी सबके साथ नाचता जाता और गाता जाता। गिलहरी, कौआ, बंदर और अन्य प्राणी फटी आंखों से यह तमाशा देखते ही रहे। *

हिंदी अनुवाद : रजनीकांत एस. शाह

जीके क्विज-200

1. उत्तर भारत का पहला ग्लास ब्रिज किस स्थान पर बनाया जाएगा?
2. दुनिया की पहली डिजिटल जनगणना किस देश में शुरू की गई है?
3. पानीपत की दूसरी लड़ाई किसके बीच हुई थी?
4. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वर्तमान अध्यक्ष कौन है?
5. प्रसिद्ध प्राचीन ग्रंथ 'मुद्राराक्षस' के रचयिता कौन है?
6. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहां स्थित है?
7. कौन-सा ग्रह सबसे कम समय में सूर्य का चक्कर लगाता है?
8. कौन-सा विटामिन आंखों के लिए सर्वाधिक लाभदायक होता है?
9. स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री कौन थे?
10. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-200 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-199 का उत्तर: 1. आरसीबी, 2. छत्तीसगढ़, 3. 18 अप्रैल, 4. देहरादून, 5. सिकंदर लोदी, 6. पंजाब, 7. विटामिन बी और विटामिन सी, 8. वुलर झील, 9. जोधपुर, 10. भारत-पाकिस्तान

जीके क्विज-199 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, अनुभव-राजनांदगांव, सचिन-दुर्ग, रमेश-बैकुंठपुर, कविता-रायपुर, तनिष्क-रोहतक, कोमल-बिलासपुर, रचित-महासमुंद, आकाश-बलौदा बाजार, कनिका-बालोद

हंसगुल्ले

अजयः यार, आजकल मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आती। क्या तुम्हें अच्छी नींद आती है?
विजयः हां, मैं तो 'घोड़े बेचकर' सोता हूं।
अजयः अच्छा! तो तुमने अब तक कितने घोड़े बेच दिए?
-नैतिक, दिल्ली

रोहनः फिर ममी क्यों कहती है कि तेरी जुबान दिन भर चलती रहती है?
-काव्या, जबलपुर

राजू, सोनू और मोनू, तीनों एक ही साइकिल पर जा रहे थे। एक ट्रैफिक पुलिस वाले अंकल ने उन्हें रोक लिया।
राजूः सॉरी अंकल, हमारी साइकिल पर और जगह नहीं है। प्लीज, आप किसी और से लिफ्ट ले लें। **-जतिन, रायपुर**

रोहनः क्या जुबान के भी पैर होते हैं?
सोहनः नहीं।

वनस्पति जगत
नयनतारा

बच्चो, पेड़ एक तरह से पृथ्वी के फेफड़े होते हैं, क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं ताकि हम सांस लेकर जिंदा रह सकें। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर 3 ट्रिलियन से अधिक पेड़ हैं। पेड़ों का भी अनोखा आश्चर्यजनक संसार है, दुनिया भर में एक से बढ़कर एक अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। एक पेड़ तो ऐसा था, जो करीब 2,000 साल तक जीवित रहा। उस पेड़ का तना इतना बड़ा था कि उसके बीच से होकर बनाए गए रास्ते में से घुड़सवार भी निकल सकते थे। उस पेड़ का नाम-जायंट सिकोइया था। इस प्रजाति के पेड़ आज भी दुनिया में मौजूद हैं।

इसलिए कहते हैं जंगल का पिता: जायंट सिकोइया के पेड़ पूरे जंगल की क्षमता और ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रारंभिक दौर के मूल जायंट सिकोइया के जो अवशेष मिले हैं, उससे पता चलता है कि वह 400 फीट से अधिक ऊंचा रहा होगा, प्राकृतिक संसार पर यह राजा की तरह राज करता होगा। प्रकृति का रियल लीजेंड है जायंट सिकोइया, इसलिए इसे 'जंगल का पिता' कहते हैं।

अब भी मौजूद हैं इस प्रजाति के पेड़: बच्चो, सबसे पुराने जायंट सिकोइया के वृक्ष तो अब नष्ट हो चुके हैं। लेकिन इस प्रजाति के वृक्ष आज भी

बच्चो, जंगलों में बहुत ही विशाल और अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। इनमें एक पेड़ है जायंट सिकोइया। इसे 'जंगल का पिता' कहा जाता है। जानो, इस अनोखे पेड़ के बारे में।

जंगल का पिता कहलाता है विशाल-अनोखा पेड़ जायंट सिकोइया

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में सिएरा नेवादा पर्वत श्रृंखला के ढलानों पर धुंध भरे वातावरण में उगते हैं। ये पेड़ 900 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ग्रोव्स (उपवनों), विशेष रूप से सिकोइया नेशनल पार्क, किंग्स कैन्यन नेशनल पार्क और कैलावेरस बिग ट्रीज स्टेट पार्क में पाए जाते हैं।

आग में भी रहते हैं सुरक्षित: जायंट सिकोइया पेड़ की छाल लगभग दो फीट मोटी होती है, इनमें कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं पाया जाता है, जिससे ये पेड़ जंगल की आग जैसी आपदाओं में भी बचे रह जाते हैं। कई बार तो जंगल की आग इस पेड़ के लिए फायदेमंद साबित होती है। बच्चो, जायंट सिकोइया के बीज इस पेड़ की शाखाओं पर उगने वाले शंकु (कोन) के अंदर पाए जाते हैं। ये कोन पेड़ पर लगभग 20 साल तक लटके रहते हैं। जंगल की आग की गर्मी में इनके कोन सूख जाते हैं और ओटमील के दाने जैसे छोटे-छोटे बीजों को मिट्टी में छोड़ देते हैं, जिससे जायंट सिकोइया के नए पेड़ पनपते हैं।

पी जाता है डेली 300 गैलन पानी: एक पूरा विकसित जायंट सिकोइया का पेड़ दिनभर में लगभग 300 गैलन पानी पी जाता या जमीन से सोख लेता है। यह पेड़ काफी विशाल तो होता है, पर इसकी जड़ें काफी गहराई तक नहीं पहुंच पाती हैं। इसकी जड़ें सिर्फ 6 से 12 फीट गहराई तक ही जा पाती हैं। ऐसे में इस विशाल पेड़ को संतुलित रखने के लिए इसकी जड़ें चौड़ाई में फैल जाती हैं।

आयु होती है हजारों वर्ष: जायंट सिकोइया पेड़ की आयु हजारों वर्ष की हो सकती है। यह पेड़ अधिक पुराने होने या किसी पादप-रोग से नहीं नष्ट होते, बल्कि कई बार अपनी विशालता, वजन और असंतुलन की वजह से गिर पड़ते हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

बैसाखी त्योहार अनोखा

बैसाखी त्योहार अनोखा
जोश जगाता है,
बच्चों, बड़ों और बूढ़ों के
मन को भाता है।
बोई हुई फसल खेतों की
पककर कट जाती,
खाली खलिहानों में दानों
की बहार आती,
मजदूरों के श्रम का पूरा
मोल चुकाता है।
नई तरह की मस्ती छाए
पांव थिरक उठते,
घोर निराशाओं के बादल
राहों में लुटते,
जीवन का संगीत सुहाना
खूब सुनाता है।
दिशा-दिशा में मुस्कानों की
एक लहर आए,
अपनेपन की खुशबू से जग
सारा भर जाए,
जो हो गए दूर थे उनको
पास बुलाता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

चार दोस्तों की रोमांचक कहानी

बच्चो, तुमको सुपरहीरोज की कॉमिक स्टोरीज पढ़ने में बहुत मजा आता होगा। इन हीरोज के पास तो सुपर पॉवर होती हैं। इसलिए वे कठिन से कठिन काम भी आसानी से कर लेते हैं। लेकिन इस नॉवेल 'धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य' में तुम्हारे जैसे ही चार सामान्य बच्चों की कहानी है, जिनके पास कोई सुपर पावर नहीं है। लेकिन फिर भी चारों दोस्त ध्रुव, किट्टू, एकांश और युग किस बहादुरी, साहस और समझदारी से घने जंगल के बीच स्थित एक पुराने खजाने का पता लगाते हैं, इसे पढ़कर तुम रोमांच से भर उठोगे।

किट्टू और जुड़वा भाई युग और एकांश से होती है। वे साथ में खेलते, मस्ती करते हैं। इसी बीच उन्हें रावण टेकड़ी के प्राचीन खजाने से जुड़े नक्शे के बारे में पता चलता है। फिर चारों कैसे वहां तक पहुंचते हैं, उनके सामने कैसी चुनौतियां आती हैं और वे कैसे उनका सामना करके अपने लक्ष्य को पाते हैं, यह जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी होगी। बच्चो, नॉवेल रहस्य-रोमांच से भरा है, पढ़कर तुम्हें मजा आएगा। *

किताब : धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य, **लेखक :** मिथिलेश गुप्ता, **मूल्य :** 249 रुपए, **प्रकाशक :** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

रंग भरो-199

रंग भरो-199 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे है। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे है।

श्रेया, दुर्ग

डॉली, दुर्ग

आशुतोष, उमरिया

त्रियांश, धमतरी

रुपाली, बिलासपुर

आराधना, जांजगीर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

कावरी-रायपुर, माही-महासमुंद, रायशा-बिलासपुर, शैलेश-राजनांदगांव, उमंग-खैरागढ़, रुपाली-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, असित-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, कुसुम-कोरबा

रंग भरो 200

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे झूला झूल रहे है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।